mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-47 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
17 फरवरी 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

राजस्थान की केमिकल फैक्ट्री में धमाका, 8 लोग जिंदा जले, 4 गंभीर रूप से झुलसे

अवैध रूप से बन रहे थे पटाखे, पॉलीथीन में इकट्ठे किए गए बॉडी पार्ट्स

भिवाड़ी, एजेंसी। राजस्थान के भिवाड़ी की केमिकल फैक्ट्री में अचानक तेज धमाका हुआ। इसमें 8 मजदूर जिंदा जल गए, जबकि 4 गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें दिल्ली एम्स रेफर किया गया है। इस फैक्ट्री में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। मौके से बारूद, पटाखे और पैकिंग के डिब्बे मिले हैं।

हादसा खुशखेड़ा कारौली इंडस्ट्रियल एरिया में सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुआ। घटना के समय करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे। शव बुरी तरह जल गए थे। कई शवों के कंकाल भर बचे थे। बॉडी पार्ट्स के टुकड़े बिखरे मिले। रेस्क्यू टीम ने इन टुकड़ों को पॉलीथीन में इकट्ठा किया। कलेक्टर अर्तिका शुक्ला ने कहा- देखकर लग रहा है कि छोटा एक सप्लोसिव मटेरियल था। गैस रिसाव नहीं था। एडीएम सुमिता मिश्रा के अनुसार, फैक्ट्री मालिक का नाम राजेंद्र है। उन्होंने किसी तिवारी को यह फैक्ट्री लीज पर दी थी। दोनों से संपर्क नहीं हो पाया है।

एडीएम बोलीं- फैक्ट्री मालिक से संपर्क नहीं हो पाया :एडीएम सुमिता मिश्रा ने बताया- फैक्ट्री मालिक का नाम राजेंद्र बताया जा रहा है।

4 गंभीर रूप से झुलसे, दिल्ली एम्स रेफर

भिवाड़ी स्थित खुशखेड़ा करौली इंडस्ट्रियल एरिया में सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे फैक्ट्री में जोरदार धमाके के बाद आग लग गई। इसमें 8 लोग जिंदा जल गए। गंभीर रूप से झुलसे 4 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। इसमें अनूप कुमार, जुन्नू, विवेक और मन्नू शामिल हैं। अनूप और जुन्नू 90 फीसदी तक झुलसे हैं। चारों को दिल्ली एम्स रेफर किया गया है।

सीएम भजनलाल ने कहा- राहत, बचाव कार्य के निर्देश दिए गए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा- जिला प्रशासन को राहत व बचाव कार्य के निर्देश दिए हैं। भिवाड़ी के खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्री में आग लगने से हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दु:खद है। जिला प्रशासन को राहत व बचाव कार्य के लिए निर्देशित किया है।ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना पर दुख जताया। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की।

पीएमओ के सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा यह पोस्ट - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर दुख व्यक्त करते हुए लिखा कि राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना अत्यंत दु:खद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

जो भूल गए, उन्हें बताना है कि वे हिंदू हैं :मोहन भागवत

गोरखपुर, एजेंसी। RSS के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि जो लोग यह भूल गए हैं, उन्हें याद दिलाना है कि वे हिंदू हैं, ताकि हिंदू समाज संगठित होकर खड़ा हो सके। संघ हिंदू समाज की बात इसलिए करता है, क्योंकि इस देश में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति हिंदू है। हिंदू समाज मानता है कि हमारा रास्ता भी सही है और आपका भी। इस समाज में लोगों की रुचि के अनुसार अलग-अलग पंथ और संप्रदाय मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि रास्ते अलग हो सकते हैं, लेकिन लक्ष्य एक ही है। इस धारणा को मानने वाला समाज ही हिंदू समाज है। हिंदू नाम भारत के साथ जुड़ गया है, इसलिए इसी नाम से सनातन जागृत होगा। हमें अपना लक्ष्य पूरा करना है। संघ प्रमुख, रविवार को अपने प्रवास के दूसरे दिन गोरखपुर के योगिराज गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में प्रबुद्धजन संगोष्ठी को संबोधित करने पहुंचे थे।

हिंदू शब्द एक संज्ञा नहीं बल्कि विशेषण है:संघ प्रमुख ने कहा कि हिंदू शब्द एक संज्ञा नहीं बल्कि व्याकरण की दृष्टि से एक विशेषण है, जो गुणधर्म बताता है। यह सबको एक साथ चलाता है। समाज सहिष्णुता और समन्वयता से ही चलना चाहिए। अपने स्वार्थ के लिए नहीं, दूसरों के हित के लिए चलना ही भारतीय संस्कृति है। इस सत्य को पहचानने में ही हमें शाश्वत आनंद की प्राप्ति हुई।

विश्व के पास समाज को सुख और शांति देने का कोई तरीका नहीं: संघ प्रमुख ने कहा- हमारा राष्ट्र धर्मप्राण राष्ट्र है। धर्म हमारे आचरण का हिस्सा है। इसके लिए संस्कार की जरूरत थी। पीढ़ी दर पीढ़ी मानवी आदतें बनाई गई, यही संस्कार है। इससे ही संस्कृति बनी। इसी संस्कृति के आधार पर राष्ट्र का निर्माण हुआ।

भुवनेश्वर में छत पर धमाका, सीसीटीवी में घटना कैद :पूरा परिवार मिलकर बम बना रहा था

4 लोग बुरी तरह झुलसे, दो की मौत

भुवनेश्वर,एजेंसी। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के आजाद नगर में 27 जनवरी को एक घर की छत पर जोरदार धमाका हुआ। इसका CCTV फुटेज अब सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, एक परिवार के 4 लोग छत पर बम बना रहे थे। इनमें दो महिलाएं और दो पुरुष थे।इसी दौरान अचानक ब्लास्ट हो गया। चारों लोग बुरी तरह झुलस गए थे। इनमें दो की मौत हो गई। पूरी घटना

CCTV कैमरे में कैद हो गई। इसमें दिखा की छत पर 4 पानी की टंकियां लाइन से रखी हैं। फिर टंकियों के पीछे अचानक से धमाका हुआ। साथ में धुएं का गुबार उठता नजर आया।

धमाका इतना तेज था कि आसपास के लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पूरी घटना की जांच कर रही है।

राजनाथ बोले: भारतीय सेना भगवान शंकर से प्रेरणा लेती है

लोगों की मदद भी करती है और जरूरत पर ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई भी

कोयंबटूर, एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेना भगवान शिव से प्रेरणा लेती है। उन्होंने कहा कि जैसे भगवान शिव सुरक्षा और विनाश दोनों के प्रतीक हैं, वैसे ही आज हमारी सेनाएं निडरता और धैर्य दोनों रखती हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि एक तरफ, वे संकट के समय शिव की भावना से मानवीय सहायता देते हैं, दूसरी तरफ, जब जरूरत होती है, तो वे रुद्र की तेजी से ऑपरेशन सिंदूर जैसे ऑपरेशन करते हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रयान और आदित्य-रु जैसे भारत के स्पेस मिशन सिर्फ टेक्नोलॉजिकल अचीवमेंट नहीं हैं, बल्कि यह एक पुरानी साइंटिफिक विरासत का मॉडर्न एक्सप्रेशन है। राजनाथ सिंह रविवार को ईशा फाउंडेशन के महाशिवरात्रि कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने सदुरु जग्गी वासुदेव के साथ कुछ लोगों को सम्मानित भी किया।

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के 7 अधिकारी सस्पेंड किए

एसआईआर में लापरवाही-पावर के गलत उपयोग के आरोप

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी। चुनाव आयोग (ECI) ने पश्चिम बंगाल में 7 अधिकारियों को सस्पेंड किया है। सभी पर विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) में गंभीर लापरवाही, कर्तव्य की अनदेखी और वैधानिक शक्तियों के दुरुपयोग का आरोप है।आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को निलंबित अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेने के निर्देश भी दिए। आयोग ने कहा है कि वोटर लिस्ट जुड़ा काम बहुत संवेदनशील है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या अधिकारों के दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी ऐसी लापरवाही पर सख्त एक्शन जारी रहेगा।

सस्पेंड किए अधिकारियों के नाम, पद

- डॉ. सेफाउर रहमान- सहायक निदेशक, कृषि विभाग एवं AERO, 56-समसेरगंज विधानसभा क्षेत्र, जिला मुर्शिदाबाद
- नितीश दास- राजस्व अधिकारी, फरक्का एवं AERO, 55-फरक्का विधानसभा क्षेत्र
- डालिया रे चौधरी- महिला विकास अधिकारी, मयनागुड़ी विकास खंड एवं AERO, 16-मयनागुड़ी विधानसभा क्षेत्र
- स्क. मुर्शिद आलम- सहायक कृषि निदेशक (ADA), सूती ब्लॉक एवं AERO, 57-सूती विधानसभा क्षेत्र
- सत्यजीत दास- संयुक्त BDO एवं AERO, 139-कैनिंग पूर्व विधानसभा क्षेत्र
- जॉयदीप कुंडू- FEO एवं AERO, 139-कैनिंग पूर्व विधानसभा क्षेत्र
- देबाशीष विश्वास- संयुक्त BDO एवं AERO, 229-देबरा विधानसभा क्षेत्र

जम्मू-कश्मीर के डोडा में एवलांच, हिमाचल, उत्तराखंड में बर्फबारी के आसार

म.प्र.-राजस्थान, पंजाब में बारिश की संभावना

भोपाल/ लखनऊ/शिमला/ देहरादून, एजेंसी। देश के हिमालयी इलाकों में दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हैं। आज से दो दिन हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब-चंडीगढ़ में 17-18 फरवरी को बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में रविवार शाम 5 बजे भद्रवाह-पठानकोट इंटर-स्टेट रोड पर एवलांच हुआ। यह थांथेरा और गुलदांडा के बीच था। यहां 40 से ज्यादा टूरिस्ट वाहन फंस गए थे, जिन्हें एक-एक कर निकाला गया।उत्तराखंड में गुंजी-आदि कैलाश मोटर मार्ग पर जमीं 10 फीट बर्फ को सीमा सड़क संगठन (BRO) ने हटाया। यहां तापमान -18डिग्री है। राज्य में कल से 5 जिलों उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में बारिश-बर्फबारी की संभावना है।

हिमंता शूटिंग वीडियो मामला, सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

कहा- अब लड़ाइयां चुनाव से पहले शुरू हो जाती हैं, ये ट्रेंड बन गया है

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ वायरल वीडियो पर कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। वीडियो में सीएम को एक खास समुदाय के सदस्यों पर राइफल से निशाना साधते और फायरिंग करते हुए दिखाया गया था।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने पिटीशनर्स से गुवाहाटी हाई कोर्ट जाने को कहा। हालांकि कोर्ट ने कहा कि चुनावों से पहले ऐसे कई मामले सामने आते हैं। यह एक ट्रेंड बनता जा रहा है।

असम में आने वाले विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव का एक हिस्सा उससे पहले लड़ा जाता है।

कांग्रेस ने सबसे पहले उठाया था वीडियो का मुद्दा : दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी ङ्क हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के ङ्क हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीर में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन पॉइंट-ब्लैंक शॉट था।श्रीनेत के शेयर किए गए वीडियो में असम की भारतीय जनता पार्टी का ङ्क अकाउंट नजर आ रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने लिखा- यही है असली बीजेपी: सामूहिक हत्यारे। यह जहर, नफरत और हिंसा आप पर है, मिस्टर मोदी। उन्होंने पूछा कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं?

अमिताभ बच्चन की दमदार आवाज के साथ दिखी भैरव बटालियन की ताकत, सेना ने जारी किया वीडियो

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना की ओर से जारी किए गए इस वीडियो में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की दमदार आवाज में भैरव बटालियन का ताकत बताई गई है। वीडियो में अमिताभ बच्चन को कहते सुना जा सकता है कि न कोई आहट, न कोई छाया, न कोई संकेत, न कोई काया...। मैं काल नहीं, काल का विधान, भैरव नाम नहीं, पहचान।

रक्षा मंत्रालय (सेना) के एकीकृत मुख्यालय के अतिरिक्त जन सूचना महानिदेशालय के आधिकारिक हैंडल से अमिताभ बच्चन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। संदेश में कहा गया कि फिल्म के लिए अपनी प्रतिष्ठित आवाज देने पर सेना उनकी आभारी है।

भगवान शिव का उग्र रूप कहलाता है भैरव :फिल्म का विमोचन महाशिवरात्रि के दिन किया गया, जिसे प्रतीकात्मक माना जा रहा है। भैरव को भगवान शिव का उग्र स्वरूप माना जाता है, जो सुरक्षा और बुराई के विनाश से जुड़ा है। भैरव बटालियन को पैरा स्पेशल फोर्स और नियमित इन्फैंट्री इकाइयों के बीच तैनात किया गया है। इस बटालियन का गठन आधुनिक युद्ध की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि दुश्मन के खतरों के खिलाफ तेज और सटीक आक्रामक कार्रवाई की जा सके।

आधुनिक युद्ध चुनौतियों से निपटने के लिए बनी बटालियन

भैरव, भारतीय सेना की नवीनतम विशेष बल इकाई है, जिसे आधुनिक युद्ध की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके सभी ऑपरेटिव ड्रोन संचालन में सक्षम हैं और वास्तविक अभियानों में दुश्मन के ठिकानों और संरचनाओं को निशाना बनाने की क्षमता रखते हैं।

सेना मुख्यालय द्वारा अब तक ऐसी लगभग 15 भैरव बटालियनें खड़ी की जा चुकी हैं, जिन्हें दोनों सीमाओं पर विभिन्न संरचनाओं में तैनात किया गया है।

टीपू और शिवाजी की तुलना पर बवाल: भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प, नौ घायल

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में रविवार को उस समय भारी तनाव फैल गया जब विपक्षी दल के कार्यालय के बाहर भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। विवाद की जड़ कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल की वह टिप्पणी है, जिसमें उन्होंने मैसूर के शासक टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से की थी। इस टिप्पणी के विरोध में आयोजित प्रदर्शन ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया और दोनों ओर से जमकर पथराव हुआ। संयुक्त पुलिस आयुक्त रंजन कुमार शर्मा के अनुसार, इस झड़प में दो पुलिसकर्मियों, दो मीडियाकर्मियों सहित तीन कांग्रेस और दो भाजपा कार्यकर्ता मामूली रूप से घायल हुए हैं। विवाद की शुरुआत तब हुई जब मालेगांव महानगरपालिका में टीपू सुल्तान का चित्र लगाए जाने पर हो रहे विरोध के बीच हर्षवर्धन सपकाल ने एक बयान दिया।

चिंताजनक: जलवायु संकट की चिंता को लेकर युवाओं में बढ़ रहा आक्रोश

94 फीसदी भविष्य को लेकर चिंतित

नई दिल्ली, एजेंसी। जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ पर्यावरणीय चुनौती नहीं रह गया है, बल्कि यह युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालने वाली वैश्विक समस्या बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की ताजा रिपोर्ट और भारत में किए गए जनमत सर्वेक्षण से सामने आया है कि ईको एंजायटी यानी जलवायु से जुड़ी चिंता 21वीं सदी की पहली पीढ़ी के बीच तेजी से फैल रही है। दुख, निराशा, असहायता और गुस्से जैसी भावनाएं युवाओं में आम होती जा रही हैं, जबकि 94 प्रतिशत युवाओं ने माना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण वे अपने भविष्य को लेकर गंभीर रूप से चिंतित हैं।

यूएनईपी ने अपनी रिपोर्ट नेविगेटिंग न्यू होराइजंस : ए ग्लोबल फोरसाइट रिपोर्ट ऑन प्लेनेटरी हेल्थ एंड ह्यूमन वेलबीइंग में चेताया कि दुनियाभर में युवाओं के बीच ईको एंजायटी एक उभरता हुआ संकट बन चुकी है। इसे क्लाइमेट ग्रीफ या जलवायु से जुड़ा दुख भी कहा जाता है, जो पर्यावरणीय क्षरण और जलवायु परिवर्तन से पैदा होने वाले खतरों की प्रतिक्रिया है। डाउन टू अर्थ ने अक्टूबर-नवंबर 2025 के दौरान 16 से 25 वर्ष आयु वर्ग के 300 से अधिक युवाओं के बीच जनमत सर्वेक्षण किया।

इसमें 88 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि वे अपने आसपास जलवायु में बदलाव महसूस कर रहे हैं, जबकि 67 प्रतिशत ने माना कि ये बदलाव उनके रोजमर्रा के जीवन और जीवनशैली को पहले ही प्रभावित कर चुके हैं। अध्ययन यह भी संकेत देते हैं कि पिछले 25 वर्षों में जन्मी पीढ़ी ने शायद कभी सामान्य जलवायु का अनुभव ही नहीं किया। हीटवेव, चक्रवात और बाढ़ जैसी चरम घटनाएं अब सामान्य होती जा रही हैं, और युवा इन्हें पहले से कहीं अधिक तीव्रता से महसूस कर रहे हैं।

36 फीसदी खाद्य गुणवत्ता में बदलाव को लेकर डरे :सर्वेक्षण में युवाओं से पूछा गया कि वे किन संकेतों को जलवायु परिवर्तन से जोड़ते हैं। दो-तिहाई से अधिक उत्तरदाताओं ने बढ़ते तापमान और असमय गर्मी या वर्षा को इसका प्रमुख संकेत माना। लगभग 40 प्रतिशत ने धुंध या कोहरे भरे दिनों को, 36 प्रतिशत ने खाद्य गुणवत्ता में बदलाव को और 32 प्रतिशत ने कीट-पतंगों की बढ़ती संख्या को जलवायु परिवर्तन से जोड़ा। 38 प्रतिशत युवाओं ने अत्यधिक ठंड को भी इसका एक लक्षण बताया।

असर सभी पर, लेकिन गरीबों पर सबसे ज्यादा :जब युवाओं से पूछा गया कि क्या जलवायु परिवर्तन का असर अलग-अलग आर्थिक वर्गों पर अलग तरह से पड़ता है, तो 61 प्रतिशत ने कहा कि यह अमीर, गरीब और मध्यम वर्ग सभी को समान रूप से प्रभावित करता है। लैंगिक आधार पर राय लगभग एक जैसी रही। करीब 90 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना था कि जलवायु परिवर्तन पुरुषों और महिलाओं दोनों को समान रूप से प्रभावित करता है।

चिंता, असहायपन और डर : युवाओं पर भावनात्मक बोझ :जलवायु संकट का भावनात्मक असर सर्वेक्षण में साफ झलकता है। प्रतिभागियों को अपनी भावनाएं चुनने के लिए छह विकल्प दिए गए...डरा हुआ और उदास, चिंतित, गुस्सा, असहाय, ठगे हुए और उदासीन। 57 प्रतिशत युवाओं ने खुद को चिंतित, 54 प्रतिशत ने असहाय और 43 प्रतिशत ने डरा हुआ और उदास बताया। कई युवाओं ने गुस्से और ठगे जाने की भावना भी व्यक्त की।भविष्य को लेकर आशंकाएं भी गहरी हैं। करीब 53 प्रतिशत युवाओं को डर है कि जलवायु परिवर्तन से बीमारियां बढ़ेंगी, एक-तिहाई से अधिक ने खाद्य संकट की आशंका जताई और 45 प्रतिशत ने जल संकट को लेकर चिंता जताई। कुल मिलाकर 94 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि जलवायु परिवर्तन उनके भविष्य को लेकर उन्हें परेशान करता है, जबकि आधे प्रतिभागियों ने सरकारी कार्रवाई को निराशाजनक करार दिया।

विशेषज्ञों की राय : युवाओं की चिंता पूरी तरह जायज

विशेषज्ञ मानते हैं कि युवाओं की यह प्रतिक्रिया अस्वाभाविक नहीं है। क्लाइमेट एंजायटी पर बड़े अंतरराष्ट्रीय अध्ययन की सह-लेखिका और यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ से जुड़ी कैरोलिन हिकमैन कहती हैं, हमारे बच्चों की चिंता पूरी तरह जायज है, क्योंकि वे सरकारों की ओर से जलवायु परिवर्तन पर अपर्याप्त प्रतिक्रिया देख रहे हैं। उनके अनुसार बच्चे और युवा अब दुनियाभर में संगठित हो रहे हैं और सरकारों को अदालतों में चुनौती दे रहे हैं, यह तर्क देते हुए कि जलवायु संकट पर कार्रवाई न करना मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

टीपू सुल्तान विवाद, बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में पथराव

मुंबई, एजेंसी। टीपू सुल्तान की छत्रपति शिवाजी महाराज से तुलना करने वाली कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल की टिप्पणी के विरोध में पुणे में रविवार को विपक्षी दल के कार्यालय के पास भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदर्शन के दौरान दोनों दलों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर पथराव किया, जिसमें नौ लोग घायल हो गए।लसंयुक्त पुलिस आयुक्त रंजन कुमार शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि पथराव में तीन कांग्रेस कार्यकर्ता, दो भाजपा कार्यकर्ता, दो पुलिसकर्मी और दो मीडियाकर्मी मामूली रूप से घायल हो गए।

शर्मा ने बताया, 'कांग्रेस भवन के पास विरोध-प्रदर्शन हुआ। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। दोनों दलों के कार्यकर्ता दीवारों पर चढ़ गए और एक-दूसरे पर पथराव किया। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं।'एक अधिकारी ने बताया कि बाद में शाम को शिवाजीनगर पुलिस थाने में भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

कांग्रेस ने दर्ज करवाई शिकायत : वहीं, कांग्रेस की पुणे शहर इकाई के अध्यक्ष अरविंद शिंदे ने कहा कि पार्टी ने भाजपा पदाधिकारियों के खिलाफ पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने

कहा कि महापौर मंजुषा नागपुरे, भाजपा की शहर इकाई के अध्यक्ष धीरज घाटे, दुष्यंत मोहोल और अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। सपकाल की टिप्पणियों के विरोध में कांग्रेस भवन के पास भाजपा के प्रदर्शन के मद्देनजर वहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

चित्र लगाने को लेकर हो गया था विवाद : महाराष्ट्र में शुक्रवार को मालेगांव महानगरपालिका की उप-महापौर शान-ए-हिंद निहाल अहमद के कार्यालय में टीपू सुल्तान का चित्र लगाए जाने को लेकर सियासी विवाद खड़ा हो गया। शिवसेना पार्षदों और हिंदू संगठनों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई थी। सपकाल ने घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता और 'स्वराज' के विचार को पेश करने के उनके तरीके का जिक्र किया था और टीपू सुल्तान के अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध का आह्वान करने का उदाहरण दिया था। उन्होंने दावा किया था कि यह लड़ाई शिवाजी महाराज के आदर्श की तर्ज पर थी। इससे पहले दिन में कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के नेता सचिन सावंत ने भाजपा पर 'दोहरे मापदंड' अपनाने और ध्रुवीकरण का एजेंडा चलाने का आरोप लगाया। एक बयान में कांग्रेस नेता ने कई उदाहरणों का हवाला देते हुए दावा किया कि भाजपा नेताओं ने पहले सार्वजनिक जगहों और आधिकारिक मंचों पर 18वीं शताब्दी के मैसूर के शासक टीपू सुल्तान की प्रशंसा की थी। सावंत ने अकोला और मुंबई के नगर निकायों में पारित प्रस्तावों के साथ-साथ पूर्व के उन उदाहरणों का हवाला दिया, जहां भाजपा नेताओं ने कथित तौर पर टीपू सुल्तान की प्रशंसा की थी और उनसे जुड़ाव दर्शाया था। उन्होंने दावा किया कि पार्टी का वर्तमान विरोध राजनीति से प्रेरित है। भाजपा नेताओं ने सपकाल की टिप्पणियों की निंदा करते हुए पुणे में प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि कांग्रेस भवन के बाहर प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने पथराव किया, जिसमें उसके दो कार्यकर्ता घायल हो गए। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के उपाध्यक्ष मोहन जोशी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि नव निर्वाचित महापौर मंजुषा नागपुरे सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस भवन के बाहर प्रदर्शन के लिए एकत्रित हुए।

उन्होंने कहा, 'प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंके गए, जिससे दो कार्यकर्ता घायल हो गए। हम इस घटना के सिलसिले में कार्रवाई की मांग को लेकर शिवाजीनगर थाने के बाहर धरना दे रहे हैं।' पुलिस उपायुक्त (जोन एक) कृषिकेश रावले ने कहा कि पुलिस ने टकराव को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया। भाजपा की पुणे इकाई के अध्यक्ष धीरज घाटे ने हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में पर्वती थाने में सपकाल के खिलाफ शिकायत की, जिसके आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। टीपू सुल्तान इतिहास की एक विवादास्पद हस्ती हैं। जहां एक वर्ग अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में उनकी वीरता की तारीफ करता है। वहीं, दूसरा वर्ग दक्षिण भारत के कई हिस्सों में हिंदुओं के साथ 'दुर्व्यवहार' के लिए उनकी आलोचना करता है। इसके विपरीत, छत्रपति शिवाजी महाराज को उनकी सैन्य प्रतिभा के साथ-साथ परोपकार और सामाजिक कल्याण पर आधारित प्रशासनिक कौशल के लिए व्यापक रूप से सराहा जाता है।

सावंत ने अपने बयान में दावा किया कि भाजपा पहले टीपू सुल्तान की प्रशंसा करती थी, लेकिन अब ध्रुवीकरण के अपने एजेंडे के तहत उन्हें बुरा बताती है। उन्होंने कहा, 'इस पाखंड को क्या नाम दिया जाए टीपू सुल्तान भगवान राम के नाम वाली अंगूठी पहनते थे।' सावंत ने आरोप लगाया कि भाजपा धार्मिक विभाजन पैदा करने की रणनीति के तहत टीपू सुल्तान को नकारात्मक रूप में पेश कर रही है, जबकि पहले पार्टी नेताओं ने उनकी प्रशंसा की थी। कांग्रेस नेता ने सत्तारूढ़ पार्टी पर 'धर्म की विकृत राजनीति' में लिप्त होने और मतदाताओं के ध्रुवीकरण का प्रयास करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने इस मुद्दे पर भाजपा के रुख को लेकर पार्टी का मत दोहराया। सावंत ने भाजपा पर 'दोहरे मापदंड' अपनाने और ध्रुवीकरण का एजेंडा चलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि 2012 में भाजपा ने अकोला महानगरपालिका में एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें स्थायी समिति हॉल का नाम 'शहीद-ए-वतन शेर-ए-मैसूर टीपू सुल्तान' रखने की बात कही गई थी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने टीपू सुल्तान के मकबरे का दौरा किया था और आगंतुक पुस्तिका में उनकी प्रशंसा में अपने विचार लिखे थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि 2017 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी कर्नाटक विधानसभा में टीपू सुल्तान की प्रशंसा की थी।

युवाओं से धोखा और लाइन में खड़ा करने की राजनीति कर रही ममता सरकार : शुभेंदु

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वायरल पोस्ट साझा करते हुए राज्य सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तीखी आलोचना की है। शुभेंदु अधिकारी ने लिखा कि वायरल पोस्ट में युवक द्वारा व्यक्त की गई बात पूरी तरह सही है। उन्होंने दावा किया कि अकेले यह व्यक्ति नहीं, बल्कि लगभग 17 लाख युवक-युवतियां पहले भी इसी तरह फॉर्म भरकर ठगे गए थे। उनका आरोप है कि राज्य सरकार बार-बार युवाओं को सरकारी योजनाओं के नाम पर लाइन में खड़ा कर परेशान कर रही है, जबकि आज के समय में ऐसे काम घर बैठे ऑनलाइन आसानी से किए जा सकते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि लोगों को कैंपों में बुलाकर समय और पैसे की बर्बादी कराना ममता सरकार की आदत बन चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक स्वार्थ के तहत लोगों को जानबूझकर परेशान करना अब सरकार की कार्यप्रणाली बन गया है। बीते दो महीनों में बीएलओ के माध्यम से जानबूझकर त्रुटियां कराकर लोगों को एसआईआर की सुनवाई में खड़ा किया गया और अब बेरोज़गार युवाओं की बारी है। शुभेंदु अधिकारी ने यह भी आरोप लगाया कि बेरोज़गारी भत्ते के लिए आवेदन करने गए युवाओं को पुलिस की लाठियां झेलनी पड़ रही हैं। उन्होंने उत्तर दिनाजपुर के चोपड़ा और मालदह के चांचल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां बेरोज़गार भत्ते के लिए आवेदन करने पर पुलिस बल प्रयोग किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार कभी 'युवश्री' तो कभी 'युवसाथी' जैसे नाम बदलकर योजनाएं पेश करती है, लेकिन राज्य में उद्योग-धंधों और रोजगार के अवसरों के अभाव में युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना हुआ है। उनका आरोप है कि प्रतिभा का कोई मूल्य नहीं रह गया है। अंत में शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में युवाओं का सम्मान करती, तो उन्हें जबरन लाइन में खड़ा कर 'बेरोज़गार' का ठप्पा लगाने के बजाय घर बैठे सम्मानपूर्वक फॉर्म भरने की सुविधा देती। ऐसा करने पर न तो पुलिस तैनात करनी पड़ती और न ही युवाओं पर लाठीचार्ज जैसी घटनाएं सामने आतीं।

मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर में 26 फरवरी तक शुष्क मौसम की उम्मीद जताई

श्रीनगर, एजेंसी। मौसम विभाग ने सोमवार को जम्मू और कश्मीर में 26 फरवरी तक मुख्य रूप से शुष्क और स्थिर मौसम रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग श्रीनगर के निदेशक डॉ. मुख्तार अहमद ने कहा कि चुनिंदा दिनों में अलग-अलग ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी को छोड़कर केंद्र शासित प्रदेश में समग्र मौसम परिदृश्य काफी हद तक शांत रहेगा। पूर्वानुमान के अनुसार, 17 फरवरी को अलग-अलग ऊंचाई वाले स्थानों पर हल्की बर्फबारी की संभावना है। 18 से 24 फरवरी तक मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की उम्मीद है। 25 और 26 फरवरी को आसमान में आंशिक से लेकर आमतौर पर बादल छाए रह सकते हैं। 27 से 28 फरवरी तक, आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है, विशेष रूप से 28 फरवरी की शाम या रात के दौरान अलग-अलग ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग ने 1 और 2 मार्च के लिए आम तौर पर बादल छाए रहने और अलग-अलग ऊंचाई वाले स्थानों पर हल्की बर्फबारी की भविष्यवाणी की है। विभाग ने परिस्थितियों के अनुकूल रहने पर किसानों को कृषि गतिविधियां जारी रखने की सलाह दी है। इसने यह भी संकेत दिया कि अगले सप्ताह अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम और अधिकतम तापमान दोनों में धीरे-धीरे वृद्धि होने की उम्मीद है।

कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे का आरएसएस पर बड़ा हमला! 'धन शोधन' और 'आय के स्रोत' पर उठाए गंभीर सवाल

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार के कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रियंक खरगे ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खरगे ने आरएसएस की कार्यप्रणाली, उनकी देशभक्ति और विशेष रूप से उनके वित्तीय लेन-देन पर सवाल खड़े किए।

कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर ''धन शोधन'' में लिप्त होने का रविवार को आरोप लगाया और इसकी आय के स्रोत पर भी सवाल उठाया।

प्रियंक ने कहा कि वह चाहते हैं कि देश में सभी पर लागू होने वाला कानून और संविधान आरएसएस पर भी लागू हो। उन्होंने कहा, ''आरएसएस ने 52 वर्षों तक अपने कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया और हमें वे देशभक्ति का पाठ पढ़ाते है।''

यहां एक कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''इसके (आरएसएस के) पास 2,500 से अधिक संगठनों का नेटवर्क है, ये अमेरिका और इंग्लैंड से हैं। ये उनसे पैसे लेते हैं और मैं बता रहा हूं कि ये लोग धन शोधन में शामिल हैं।''

आरएसएस को पैसा कहां से मिल रहा है और कैसे मिल रहा है, इस सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा, ''वे चाहते हैं कि हम अच्छे नागरिक बनें, आयकर दें, लेकिन वे खुद स्वतंत्र रहना चाहते हैं। यह कैसे संभव है हमें इस पर सवाल उठाना होगा।

प्रियंक खरगे के इस बयान से कर्नाटक सहित राष्ट्रीय राजनीति में एक नया विवाद खड़ा होने की संभावना है। जहाँ कांग्रेस अक्सर आरएसएस की विचारधारा पर हमला करती रही है, वहीं 'मनी लॉन्ड्रिंग' जैसे सीधे वित्तीय आरोप इस टकराव को एक नए स्तर पर ले गए हैं। अब देखना यह होगा कि भाजपा और आरएसएस इन आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

डॉ. मेघनाद साहा की पुण्यतिथि पर ममता बनर्जी ने दी श्रद्धांजलि

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर विश्वविख्यात वैज्ञानिक और बंगाल के गौरव डॉ. मेघनाद साहा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा कि डॉ. मेघनाद साहा न केवल एक महान वैज्ञानिक थे, बल्कि बंगाल के कृतज्ञ और गौरवशाली सपूत भी थे। उनके विज्ञान के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान को देश और दुनिया हमेशा याद रखेगी। ममता बनर्जी ने कहा कि डॉ. साहा का जीवन और कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है और उनका योगदान भारतीय विज्ञान के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की बोले- वायु रक्षा प्राथमिकता

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के बाद कहा कि वायु रक्षा के लिए मिसाइलें सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने अमेरिका और जर्मनी का समर्थन के लिए आभार जताया तथा जर्मनी के साथ संयुक्त ड्रोन उत्पादन लाइन शुरू होने की जानकारी दी। यूके ने भी 500 मिलियन यूरो का नया एयर डिफेंस पैकेज घोषित किया है। ज़ेलेंस्की ने कहा कि अगले सप्ताह ऊर्जा अवसंरचना की बहाली और उपकरणों पर बैठकें होंगी। रूस के हमलों के बीच उन्होंने नागरिकों से एयर रेड अलर्ट का पालन करने की अपील की। 17-18 फरवरी को जिनेवा में संभावित त्रिपक्षीय वार्ता की भी तैयारी है। रूस ने नवलनी की हत्या के आरोपों से किया इनकार, बताया-दुष्प्रचार ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी समेत पांच यूरोपीय देशों द्वारा रूस पर विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी

की हत्या करवाने के आरोपों को रूस ने नकार दिया है। रूस ने इन आरोपों को पश्चिम देशों का दुष्प्रचार बताकर खारिज कर दिया है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि वह जांच के नतीजे सार्वजनिक होने के बाद ही कोई टिप्पणी करेंगी। पांच यूरोपीय देशों ने शनिवार को आरोप लगाया था कि रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की हत्या जहरीले मेढ़क के जहर से की गई थी।

कनाडा और ब्रिटेन के नागरिकों को वीजा-मुक्त प्रवेश देगा चीन : चीन अब कनाडा और ब्रिटेन के नागरिकों को वीजा-मुक्त प्रवेश की सुविधा देगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को घोषणा की कि 17 फरवरी 2026 से कनाडा और ब्रिटेन के सामान्य पासपोर्ट धारकों को वीजा-मुक्त प्रवेश की सुविधा दी जाएगी।

चीन में लूनर न्यू ईयर से पहले पटाखों की दुकान में विस्फोट

बीजिंग, एजेंसी। पूर्वी चीन में लूनर (न्यू ईयर) से ठीक पहले पटाखों की दुकान में हुए विस्फोट और आग में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 अन्य लोग मामूली रूप से झुलस गए। अधिकारियों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। यह धमाका रविवार दोपहर जिआंगसू प्रांत के डोंगहाई काउंटी के एक गांव में हुआ। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, एक निवासी ने दुकान के पास गलत तरीके से पटाखे जलाए, जिससे विस्फोट हो गया। घटना के कारणों की जांच जारी है। सरकार के बयान में कहा गया कि दुकान के आसपास पटाखों को जलाना बैन है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लापरवाही से पटाखे जलाने के कारण आग भड़की और फिर विस्फोट हुआ। चीन में लूनर न्यू ईयर में पटाखे जलाना परंपरा का हिस्सा है। इसे बुरी शक्तियों को दूर भगाने का प्रतीक माना जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में वायु प्रदूषण और सुरक्षा

कारणों से कई शहरों में पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया था। पिछले साल कुछ स्थानीय सरकारों ने इन प्रतिबंधों में ढील दी थी, जिससे बाजार में पटाखों की बिक्री बढ़ी। रविवार की घटना के बाद आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों से पटाखों के उत्पादन, परिवहन, बिक्री और उपयोग की निगरानी कड़ी करने का आदेश दिया है। मंत्रालय ने कहा कि दुकानों के आसपास पटाखे जलाने पर सख्ती से रोक लगाई जाए और स्थानीय प्रशासन जोखिम वाले जगहों की पहचान करे, ताकि लोग सुरक्षित तरीके से त्यौहार मना सके। इस धमाके के बाद आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों को आग, पटाखों की बिक्री, उत्पादन, परिवहन और उपयोग की निगरानी बढ़ाने की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने कहा कि दुकानों के आसपास पटाखों का परीक्षण पूरी तरह से प्रतिबंधित होना चाहिए ।

सोलापुर में अज्ञात वाहन ने 3 युवकों को कुचला, तीनों की मौत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले स्थित रूपभवानी मंदिर इलाके में सोमवार को सुबह मोटरसाइकिल से जा रहे तीन युवकों को कुचलकर अज्ञात वाहन चालक फरार हो गया। इस घटना में घायल तीनों युवकों की अस्पताल पहुंचाने से पहले ही मौत हो गई। इस घटना की जांच सोलापुर शहर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज सुबह नागेश गवंडी, रोहन पोरे और बसवराज चनशेट्टी मोटरसाइकिल से रुपभवानी इलाके से गुजर रहे थे। उसी समय पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन चालक ने तीनों की मोटर साइकिल को टक्कर मार कर कुचल दिया। इसके बाद वाहन चालक फरार हो गया। इस घटना की भनक लगते ही स्थानीय नागरिक मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सोलापुर शहर पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया। लेकिन डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। इस घटना की जांच सोलापुर पुलिस सीसीटीवी के सहयोग से कर रही है।

बहन और बेटी की लड़ाई में फंसा क्रूर तानाशाह

प्योंगयांग/सियोल, एजेंसी। देश पर कंट्रोल करने की लड़ाई दोनों के बीच तेज हो सकती है। किम जू ऐ की उम्र महज 13 साल है और चर्चा है कि उसे 14 साल का होते ही किम जोंग उन की ओर से अपना उत्तराधिकारी घोषित किया जा सकता है। उन की बहन भी खुद को एक पावर सेंटर मानती रही हैं। ऐसे में संभव है कि यह संघर्ष बढ़ सकता है। दुनिया के सबसे क्रूर तानाशाहों में से एक किम जोंग उन के परिवार में ही फिलहाल झगड़ा होता दिख रहा है। साउथ कोरिया की खुफिया एजेंसी का कहना है कि किम जोंग उन की बेटी किम जू ऐ का नाम अगले नेता के तौर पर घोषित किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में किम जोंग उन की बेटी का मुकाबला पावरफुल बुआ किम यो जोंग से हो सकता है। भविष्य में देश पर कंट्रोल करने की लड़ाई दोनों के बीच तेज हो सकती है। किम जू ऐ की उम्र महज 13 साल है और चर्चा है कि उसे 14 साल का होते ही किम जोंग उन की ओर से अपना उत्तराधिकारी

घोषित किया जा सकता है। उन की बहन भी खुद को एक पावर सेंटर मानती रही हैं। ऐसे में संभव है कि यह संघर्ष बढ़ सकता है। साउथ कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने बीते सप्ताह बताया कि किम जू ऐ की उम्र 13 साल की हो गई हैं। अब उन्हें औपचारिक तौर पर उत्तराधिकारी घोषित किया जा सकता है। यह समय अहम है क्योंकि उत्तर कोरिया में इसी महीने एक बड़ा राजनीतिक आयोजन होने वाला है। इसमें किम जोंग उन बताएंगे कि देश के लिए भविष्य में क्या लक्ष्य तय किए गए हैं। इसके अलावा वह देश की सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए भी कुछ कदमों का ऐलान कर सकते हैं। इस दौरान किम जोंग उन की बेटी भी मंच पर हो सकती हैं। हाल ही में एक मीटिंग में वह अपने पिता का हाथ थामे हुए पहुंची थीं। किम जू ऐ को किसी सार्वजनिक आयोजन में पहली बार नवंबर 2022 में देखा गया था। तब वह एक लॉन्ग रेंज मिसाइल के परीक्षण में पहुंची थीं। इसके बाद वह लगातार कई आयोजनों में पिता के साथ नजर आई हैं। उन्होंने हथियार फैक्ट्रियों के दौरे किए हैं तो वहीं सैन्य परेडों में भी हिस्सा लिया है। यही नहीं बीते साल सितंबर में वह चीन की राजधानी बीजिंग भी पहुंची थीं। आमतौर पर उत्तर कोरिया की राजनीति में पुरुषों का ही वर्चस्व रहा है, लेकिन पहली बार किम जोंग उन बेटी को कमान दे सकते हैं। इसी उद्देश्य से उन्हें चीन ले जाया गया था ताकि उन्हें स्थापित किया जा सके और दुनिया भर में एक संदेश जाए।

क्यों इतनी पावरफुल मानी जाती हैं किम जोंग उन की बहन : किम जोंग उन की बेटी के लिए देश में कोई चुनौती नहीं है, लेकिन बुआ से ही चैलेंज मिल सकता है। दरअसल 38 वर्षीय किम यो जोंग को उन के बाद देश की दूसरी सबसे पावरफुल शख्सियत माना जाता है। उनकी राजनीतिक पकड़ मजबूत है तो वहीं सैन्य हलकों में भी उनकी ताकत कम नहीं है। फिलहाल वह कोरिया की वर्कर्स पार्टी की सेंट्रल कमेटी में सीनियर पद पर हैं। इसके अलावा भाई की राय को भी वह काफी हद तक प्रभावित करती रही हैं। ऐसे में अब यदि किम जोंग उन की बेटी मजबूत हुई तो फिर चीजें बदल सकती हैं।

किम जोंग के परिवार में बर्बर रहा है सत्ता का संघर्ष : उत्तर कोरिया पूरी दुनिया के उनके मुल्कों में शुमार किया जाता है, जो सूचना से कटे हुए हैं। यहां के आम नागरिकों को दुनिया के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती। इसके अलावा दुनिया के मीडिया या लोगों की एंट्री पर भी काफी पाबंदियां हैं। मीडिया पर इस सेंसरशिप के चलते ही उत्तर कोरिया के लोग पूरी दुनिया से एक तरह से कटे हुए हैं। बता दें कि देश में सत्ता संघर्ष भी बहुत क्रूर रहा है।

लाखामंडल से लौट रहा वाहन खाई में गिरा, चार घायल

उत्तरकाशी, एजेंसी। महाशिवरात्रि के अवसर पर लाखामंडल से वापस लौट रहे एक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार चार युवक घायल हो गए। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार देर रात तहसील पुरोला के अंतर्गत ग्राम सोन्दाड़ी के पास एक बुलेरो वाहन (संख्या यूके-07-3400) अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। वाहन में चार लोग सवार थे, जो गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस एवं राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायलों का रेस्क्यू कर 108 आपातकालीन सेवा के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुरोला पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार दो घायलों का उपचार सीएचसी पुरोला में चल रहा है, जबकि दो गंभीर रूप से घायल युवकों को हायर सेंटर दून अस्पताल रेफर किया गया है। बताया गया है कि वाहन लाखामंडल से मोरी की ओर जा रहा था। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। घायलःहिमांशु रावत (18) पुत्र मनोज रावत, निवासी ग्राम कुनार, तहसील मोरी,चुनू (16) पुत्र प्रताप कुवर, निवासी ग्राम भितरी, तहसील मोरी, रितिक रावत (18) पुत्र किनाब सिंह रावत, निवासी ग्राम सालरा, तहसील मोरी (हायर सेंटर दून अस्पताल रेफर), अभिषेक (18) पुत्र नामालूम, निवासी ग्राम कोटगांव, तहसील मोरी (हायर सेंटर दून अस्पताल रेफर)।

यूजीसी नियम पर सियासी संग्राम, आरक्षण की आंच में सुलगता समाज; सड़क जाम से बढ़ी परेशानी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नई यूजीसी नियमावली को लेकर देशभर में छिड़ी बहस अब खुली सियासी जंग में बदलती दिखाई दे रही है। एक तरफ सामान्य वर्ग के संगठनों का आरोप है कि सरकार ने उनकी चिंताओं को दरकिनार कर नियम थोप दिया तो दूसरी ओर एसटी एससी और ओबीसी वर्ग के संगठन इसे सामाजिक न्याय की अनिवार्य प्रक्रिया बता रहे हैं। सवाल यह है कि क्या नीति निर्माण संवाद से होगा या सड़कों की ताकत से?

नियम लागू होते ही सवर्ण वर्ग में उबाल आ गया। न्यायालय में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने नियम के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी। अदालत के इस फैसले ने आग में घी का काम किया। जिन वर्गों ने नियम को अपने अधिकारों की सुरक्षा माना था उन्होंने इसे सामाजिक न्याय पर प्रहार बताया और विरोध की तैयारी शुरू कर दी। देश की राजनीति में आरक्षण का मुद्दा नया नहीं है लेकिन हर बार यह समाज को दो खेमों में खड़ा कर देता है। एक पक्ष का कहना है कि आरक्षण ऐतिहासिक अन्याय की भरपाई का संवैधानिक साधन है। दूसरे पक्ष का तर्क है कि लगातार बढ़ते दायरे ने समान अवसर और योग्यता की अवधारणा को कमजोर कर दिया है। इसी खींचतान के बीच असली सवाल गुम होता जा रहा है क्या नीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना है या वोट बैंक को साधना?

रीवा में इस बहस की तपिश साफ नजर आई। आरक्षण लागू करने के विरोध में कुछ संगठनों ने शहर का मुख्य मार्ग जाम कर दिया। घंटों तक यातायात ठप रहा। आम लोग परेशान रहे स्कूल के बच्चे बसों में फंसे रहे मरीज अस्पताल पहुंचने के लिए जूझते रहे। व्यापारियों ने कहा कि रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ा। सवाल उठता है कि क्या लोकतांत्रिक विरोध का मतलब आम जनता को सजा देना है?

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी आवाज नहीं सुनी जाएगी आंदोलन जारी रहेगा। वहीं दूसरी ओर आरक्षण समर्थक संगठनों ने भी चेतावनी दी है कि यदि नियम स्थायी रूप से रोका गया तो वे भी सड़कों पर उतरेंगे। यानी टकराव की आहट साफ सुनाई दे रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आरक्षण और समानता की बहस भावनाओं से नहीं तथ्यों और व्यापक सामाजिक संवाद से सुलझाई जानी चाहिए। लेकिन फिलहाल जो तस्वीर दिख रही है उसमें संवाद कम और आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा नजर आ रहे हैं। यूजीसी नियम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि शिक्षा और अवसर से जुड़ा हर फैसला केवल प्रशासनिक आदेश नहीं होता वह समाज की संवेदनशील नसों को छूता है। अब देखना यह है कि सरकार न्यायपालिका और समाज मिलकर समाधान का रास्ता निकालते हैं या फिर आरक्षण की यह आग और भड़कती है। रीवा की सड़कों पर दिखा यह उबाल संकेत दे रहा है कि मुद्दा केवल नियम का नहीं बल्कि सामाजिक संतुलन का है और यदि इसे समय रहते नहीं संभाला गया तो हालात और भी जटिल हो सकते हैं।

कॉलेज में अव्यवस्थाओं का आरोप, एबीवीपी ने की प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर सुधार की मांग

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की सिंगरौली इकाई ने सोमवार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। इसमें कॉलेज में समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया गया। एबीवीपी का आरोप है कि छात्र-छात्राएं लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं, लेकिन अब तक इन समस्याओं का कोई ठोस समाधान नहीं हुआ है।

नहीं हो रही सफाई: ज्ञापन में बताया गया कि कॉलेज में सफाई कर्मचारियों की कमी के कारण नियमित साफ-सफाई नहीं हो पा रही है, जिससे छात्रों को परेशानी हो रही है। छात्राओं के शौचालयों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय परिसर में लगातार राजनीतिक कार्यक्रमों के आयोजन से शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। एबीवीपी ने कॉलेज आने-जाने वाले छात्रों के लिए बसों की संख्या बढ़ाने, नई बिल्डिंग के चारों ओर बाउंड्री वॉल का निर्माण करने और अतिक्रमण हटाने की मांग की है। उन्होंने पुस्तकालय में नई पुस्तकों की कमी, कैंटीन व्यवस्था के सुचारु संचालन और नई बिल्डिंग में सीसीटीवी कैमरे लगाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

एपीएस सेंटर की स्थापना करने की मांग: छात्रों ने परीक्षा परिणामों में हो रही देरी, कॉलेज में एपीएस सेंटर की स्थापना और पेयजल की गुणवत्ता में सुधार की मांग भी उठाई। ये सभी मुद्दे छात्रों की दैनिक शैक्षणिक और व्यक्तिगत जरूरतों से संबंधित हैं। एबीवीपी ने चेतावनी दी है कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो परिषद छात्रहित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

वर्ष की पहली नेशनल लोक अदालत 14 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के क्रम में पहली 14 मार्च 2026, दूसरी 09 मई 2026, तीसरी 12 सितंबर 2026 एवं चौथी 12 दिसंबर 2026 को नेशनल लोक अदालतों का आयोजन किया जायेगा। इसी क्रम में वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन दिनांक 14 मार्च 2026 को जिला न्यायालय सीधी तथा सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जायेगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। शिवहरे ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत में जिला न्यायालय परिसर में ही प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा।

नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के 6 माह से अधिक के सभी प्रकरण निराकृत करें

कलेक्टर निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार राजस्व वसूली करें : कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने राजस्व कार्यों की जिलेवार समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में नामांतरण के प्रकरणों का निराकरण तेजी से किया जा रहा है। नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के सभी प्रकरण तय समय सीमा में निराकृत करें। किसी भी स्थिति में प्रकरण 6 महीने से अधिक समय तक लंबित न रहे। जो प्रकरण समय सीमा से बाहर हो गए हैं उन्हें शीघ्र सुनवाई करके निराकृत करें। कलेक्टर लोक सेवा गारंटी योजना तथा आरसीएमएस पोर्टल में समय सीमा से बाह्य प्रकरण होने पर संबंधित राजस्व अधिकारियों पर जुर्माने की कार्रवाई करें। बंटवारा का कोई भी प्रकरण तीन माह से अधिक समय से लंबित न रहे। सभी एसडीएम राजस्व प्रकरणों के निराकरण की नियमित समीक्षा करें। बंटवारा तथा सीमांकन के बाद उनका अमल दरामद अनिवार्य रूप से कराएं। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। कलेक्टर अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण की तहसीलवार समीक्षा करें। किसी भी स्थिति में आरसीएमएस पोर्टल में प्रकरण दो वर्ष से अधिक समय से लंबित न रहे।

कमिश्नर ने कहा कि जिलों में केवल सिंगरौली की राजस्व वसूली संतोषजनक है। कलेक्टर बड़े बकायादारों से कठोरता से वसूली कराएं। धारणाधिकार योजना से जारी पट्टों में राशि जमा न करने वालों को पट्टा निरस्त करने का नोटिस दें। सीधी, मैहर और मऊगंज राजस्व वसूली पर विशेष ध्यान दें। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए लगातार शिविर लगाएं। इनमें ग्राम रोजगार सहायक, पटवारी तथा आरएईओ को शामिल करें। फार्मर रजिस्ट्री के शेष किसानों और जमीनों को पोर्टल पर अपडेट करने के लिए विशेष प्रयास करें। हरहाल में 15 मार्च तक शेष बचे लक्ष्य का 70 प्रतिशत हासिल करें। स्वामित्व योजना में सत्यापन की कार्यवाही के बाद पात्र हितग्राहियों को भू स्वामित्व पत्र जारी करें। ई आफिस प्रणाली में रीवा संभाग प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। ई आफिस प्रणाली को सीधी, सतना, सिंगरौली, मैहर और मऊगंज जिले प्रभावी रूप से लागू करें। हर फाइल और पत्र ई आफिस के माध्यम से ही स्वीकार करें।

कमिश्नर ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण में सभी राजस्व अधिकारियों ने बहुत अच्छा कार्य किया है। सभी एआरओ बीएलओ से प्राप्त फोटो का सत्यापन करें। सीएम हेल्पलाइन में कलेक्टर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी प्रकरण नॉन अटेंडेड न रहे। प्रकरण के नॉन अटेंडेड रहने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई करें। सीएम हेल्पलाइन में सौ दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। बैठक में कमिश्नर ने भू-अर्जन के प्रकरण, आईगॉट ट्रेनिंग तथा कार्यालयों के निरीक्षण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, उपखंड अधिकारी कुसमी विकास आनंद, सिहावल प्रिया पाठक, गोपद बनास राकेश शुक्ला, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार शामिल हुए।

200 से ज्यादा चालान, सोनबरसा टोल प्लाजा पर चेकिंग; शराब पीकर वाहन चलाने वाले एक्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर सोमवार को सोनबरसा टोल प्लाजा के पास एक व्यापक वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट सोनू जैन के नेतृत्व में दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक चली इस कार्रवाई में नियमों का उल्लंघन करने वाले 200 से अधिक वाहन चालकों के चालान काटे गए। अभियान के दौरान, एक वाहन चालक श्रीनिवास जयसवाल को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया। उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसके बाद उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने जोर दिया कि नशे में वाहन चलाना न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह सड़क पर अन्य लोगों के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा है। इस विशेष अभियान में पुलिस प्रशासन की भी सक्रिय भागीदारी रही।

डीएसपी अमन मिश्रा, थाना प्रभारी जमोड़ी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी और यातायात थाना प्रभारी भूपेश बैस सहित अन्य पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे। टीम ने दोपहिया वाहनों पर हेलमेट, चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट और बसों में क्षमता से अधिक यात्रियों जैसे नियमों की गहनता से जांच की। न्यायिक मजिस्ट्रेट सोनू जैन ने बताया कि यह अभियान सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत आयोजित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चालानी कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

इसके साथ ही, विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविरों के माध्यम से नागरिकों को सुरक्षित ड्राइविंग और संबंधित कानूनों की जानकारी देने का भी प्रयास किया जा रहा है। चेकिंग के दौरान कई वाहन चालकों को मौके पर ही यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई। अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के सघन चेकिंग अभियान जारी रहेंगे, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पुजारी की हत्या के आरोपी की दुकान सील, अवैध तरीके से बेचता मांस और अंडे; पहले भी हुई थी शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के कुसमी क्षेत्र में पुजारी इन्द्रभान द्विवेदी की हत्या के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की है। सोमवार को आरोपी कामता प्रसाद केवट उर्फ लाला केवट के घर और उसकी अवैध मुर्गा-अंडा दुकान को सील कर दिया गया। यह कार्रवाई तहसील रोड पर हुई घटना के बाद क्षेत्र में व्याप्त तनाव और आक्रोश के बीच की गई है।

75 वर्षीय इन्द्रभान द्विवेदी तहसील परिसर स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना करते थे। उन पर हमला तब हुआ जब वे मंदिर से लौट रहे थे। आरोप है कि आरोपी ने चलती मोटरसाइकिल पर बैठे पुजारी की गर्दन पर धारदार हथियार से वार किया, जिससे वे सड़क पर गिर गए। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, हमलावर ने गिरने के बाद भी उनके सीने पर कई बार प्रहार किए, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

मृतक के परिजनों ने बताया कि इन्द्रभान द्विवेदी शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और उनकी किसी से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी। घटना के बाद परिवार और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने न्याय की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन और अनशन की चेतावनी दी थी।

तहसीलदार राजेश पारस ने बताया कि बढ़ते जनाक्रोश और कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने यह कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी की दुकान अवैध रूप से संचालित हो रही थी और उसके संबंध में पहले भी शिकायतें मिली थीं। जांच के बाद यह कदम उठाया गया है।

सिंगरौली मॉडल रोड निर्माण का रास्ता साफ, माजन मोड़ से एनटीपीसी गेट तक 7 किमी सड़क के लिए 19 करोड़ का टेंडर जारी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। शहर की बहुप्रतीक्षित मॉडल रोड के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। नगर निगम ने सोमवार को माजन मोड़ से एनटीपीसी विंध्याचल के मुख्य द्वार तक लगभग 7 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण के लिए टेंडर जारी किया है। इस परियोजना पर करीब 19 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। यह सड़क पिछले लगभग छह महीनों से जर्जर अवस्था में है। जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी हुई सतह और धूल के कारण राहगीरों तथा वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यह मार्ग औद्योगिक और आवागमन की दृष्टि से शहर की एक महत्वपूर्ण धुरी है, जिसे अब मॉडल रोड के रूप में विकसित किया जाएगा।

संविदाकार जल्द प्रक्रिया: नगर निगम आयुक्त सविता प्रधान ने सोमवार को जानकारी दी कि सड़क निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संविदाकार जल्द ही इस प्रक्रिया में भाग लेंगे और निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा। आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। आयुक्त के अनुसार, सड़क का निर्माण दो चरणों में किया जाएगा। पहले बेस वर्क होगा, जिसके बाद डामरीकरण का कार्य किया जाएगा। इसका उद्देश्य सड़क को लंबे समय तक टिकाऊ बनाना है। हालांकि, वर्तमान में सड़क पर सीवर लाइन और गैस पाइपलाइन बिछाने का कार्य चल रहा है, जिसके कारण कई स्थानों पर खुदाई की गई है।

इस संबंध में आयुक्त सविता प्रधान ने स्पष्ट किया कि गैस पाइपलाइन और सीवर का कार्य कर रही ठेका कंपनियों को जल्द से जल्द अपना काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम ने आश्वस्त किया है कि सभी कार्य समन्वय के साथ पूरे कराए जाएंगे, ताकि सड़क निर्माण के बाद उसे किसी प्रकार का नुकसान न हो। यदि सभी कार्य निर्धारित समय पर पूरे होते हैं, तो आने वाले दिनों में शहरवासियों को धूल, गड्ढों और यातायात जाम से मुक्ति मिल सकेगी।

समय-सीमा पत्रों एवं सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

शिकायतों के समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा समय-सीमा (टीएल) पत्रों, सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों, सीएस वीडियो कॉन्फ्रेंस के एजेंडा बिंदुओं के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा, ई-ऑफिस अपडेटेशन तथा संकल्प से समाधान अभियान की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सोलंकी ने विभागवार टीएल प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय-सीमा में प्राप्त होने वाले पत्रों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का संतोषजनक निराकरण प्राथमिकता से किया जाए। निराकरण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए फील्ड स्तर पर सत्यापन भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सीएस वीसी के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुपालन की भी समीक्षा की गई। संबंधित विभागों को शासन स्तर से प्राप्त निर्देशों पर त्वरित कार्यवाही कर प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा गया। ई-ऑफिस प्रणाली के अपडेटेशन की समीक्षा करते हुए सीईओ ने कहा कि कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता एवं गति लाने के लिए ई-ऑफिस का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए। लंबित फाइलों का त्वरित निस्तारण कर डिजिटल प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाए।

संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की स्थिति की भी विभागवार समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अभियान के तहत प्राप्त शिकायतों एवं मांगों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें तथा मैदानी स्तर पर मॉनिटरिंग बढ़ाएं। बैठक में संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, उपखण्ड अधिकारी सिहावल प्रिया पाठक, डिप्टी कलेक्टर प्रियल सिंह यादव सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय एनसीओआरडी समिति की बैठक में मादक पदार्थों पर सख्ती के निर्देश

मादक फसलों की अवैध खेती रोकने विभागों को संयुक्त कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव की उपस्थिति में जिला स्तरीय एनसीओआरडी समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीवास्तव ने मादक पदार्थों की तस्करी की प्रवृत्तियों के संबंध में विभागों के बीच तत्काल सूचना आदान-प्रदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग, वन विभाग एवं कृषि विभाग संयुक्त रूप से जिले में अफीम, गांजा, भांग आदि मादक फसलों की अवैध खेती पर सतत निगरानी रखें। साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त अंतर्राज्यीय गिरोहों, व्यक्तियों एवं उनके सदस्यों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि स्कूलों एवं कॉलेजों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाए जाएं। इस कार्य को पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग एवं सामाजिक न्याय विभाग के समन्वय से संचालित किया जाए। मादक फसलों की अवैध खेती से प्रभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां अधिकाधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा कृषि एवं वन विभाग द्वारा वैकल्पिक फसल एवं विकास कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को प्रेरित किया जाए।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि जिले के मेडिकल स्टोर, क्लीनिक, झोलाछाप (बिना लाइसेंस चिकित्सक) एवं शासकीय आपूर्ति केंद्रों में प्रतिबंधित दवाओं के स्टॉक एवं गुणवत्ता की नियमित जांच की जाए। स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित उपखंड अधिकारी इस संबंध में की गई कार्रवाई की समीक्षा सुनिश्चित करें। बैठक में संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, सिहावल प्रिया पाठक, डिप्टी कलेक्टर प्रियल सिंह यादव सहित विभिन्न जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

एआई शिखर समिट, भविष्य पर केंद्रित एक व्यापक सम्मेलन

संपादकीय

नई दिल्ली में हो रहा एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन एक पांच दिवसीय वैश्विक आयोजन है, जिसमें 15 से अधिक देशों के शासनाध्यक्ष और 50 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। दो लाख से अधिक पंजीकरण के साथ, यह सम्मेलन भविष्य पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य एआई को जिम्मेदार, टिकाऊ और समावेशी तकनीक बनाना है। इसमें एआई के दुरुपयोग और चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श होगा, ताकि तकनीक का लाभ सभी तक पहुंचे और विषमता न बढ़े।

नई दिल्ली में शुरू हो रहे एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन की महत्ता केवल इसलिए नहीं है कि यह एक पांच दिवसीय वैश्विक आयोजन है। इसका महत्व इसलिए भी है, क्योंकि इसमें 15 से अधिक देशों के शासनाध्यक्षों के साथ 50 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधिमंडल हिस्सा ले रहे हैं। विश्व भर के एआई विशेषज्ञ एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की हिस्सेदारी इस सम्मेलन के आकर्षण को और बढ़ा रही है। इस आयोजन के प्रति दिलचस्पी को इससे समझा जा सकता है कि दो लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। एक तरह से यह सम्मेलन जी 20 शिखर सम्मेलन से भी अधिक प्रभावशाली एवं विश्व का ध्यान अपनी ओर खींचने वाला हो सकता है। चूंकि यह भविष्य पर केंद्रित एक व्यापक सम्मेलन है, इसलिए यह आशा की जाती है कि इसके जरिये एआई को एक जिम्मेदार, टिकाऊ और समावेशी तकनीक के रूप में विकसित एवं विस्तारित करने पर सहमति बनेगी।

ऐसा होना भी चाहिए, क्योंकि विश्व भर में एआई का प्रभाव और उसका बाजार तेजी से बढ़ रहा है। जीवन के हर क्षेत्र में एआई का प्रभाव बढ़ता हुआ दिख रहा है। यह सर्वथा उचित है कि इस सम्मेलन में एआई की चुनौतियों से निपटने पर भी विचार-विमर्श होगा, लेकिन बात तब बनेगी जब उससे निपटने के किसी प्रभावी तंत्र पर सहमति भी बनेगी।

यह सहमति इसलिए आवश्यक है, क्योंकि फिलहाल एआई पर चंद बड़े राष्ट्रों का ही वर्चस्व कायम है। यदि इस तकनीक का प्रसार अविकसित एवं निर्धन देशों तक नहीं पहुंचता तो इससे दुनिया में विषमता और अधिक बढ़ेगी ही। एआई का उपयोग समावेशी, नैतिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो, इसके लिए मेजबान भारत के साथ-साथ सभी देशों को प्रयत्न करने होंगे। तकनीक के संदर्भ में इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि प्रत्येक तकनीकी विकास अपने साथ कुछ विसंगतियां एवं खतरे भी लाता है। एआई के साथ तो ऐसा कुछ अधिक ही है। इसके दुरुपयोग के मामले बढ़ते चले जा रहे हैं। निस्संदेह एआई विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी साबित हो रही है, लेकिन उसका दुरुपयोग जिस तरह बढ़ रहा है, उससे उपयोगकर्ताओं के बीच उसके प्रति विश्वसनीयता और भरोसे का संकट पैदा हो रहा है।

मनुष्य के पास मन की संकल्प शक्ति यह एक महत्वपूर्ण अस्त्र है, जिसके दम पर स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में बड़ी जीत हासिल की जा सकती है

किशन सनमुखदास भावनानीं

सृष्टि के अनमोल हीरे मानव प्रजाति में उसकी रचना करने वाले ने अदभुत गुणों की खान सृजित की है बस,हमें अपनीं अनमोल कुशाग्र बुद्धि से उसे पहचान कर अपने जीवन में ढालना है, तो फिर हर कोई कहेगा देखो क्या खूबसूरत सुखी जिंदगी है, अपने आप में, परिवार, मोहल्ले, समाज में ही हम सतयुग का माहौल बना कर अति सुख चैन से अपने जीवन के अनमोल क्षणों को बिता सकते हैं मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि अनेक गुणों में से एक गुण संकल्प शक्ति जिसका मन और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा हम आर्टिकल के माध्यम से करेंगे।

साथियों बात अगर हम अपने इस मानव शरीर की करें तो मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है मन का संकल्प मनुष्य की आंतरिक शक्ति है। मानव शरीर यदि रथ के समान है तो यह मन उसका चालक है। मनुष्य के शरीर की असली शक्ति उसका मन है। मन के अभाव में शरीर का कोई मूल्य ही नहीं है। मन ही वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य से बड़े-बड़े काम करवा लेती है। यदि मन में दुर्बलता का भाव आ जाए तो शक्तिशाली शरीर और विभिन्न प्रकार के साधन भी व्यर्थ हो जाते हैं। मन बहुत बलवान है। शरीर की सब क्रियाएं मन पर निर्भर करती है । यदि मन में शक्ति, उत्साह और उमंग है तो शरीर भी तेजी से कार्य करता है। अतः व्यक्ति की हार जीत उसके मन की दुर्बलता सबलता पर निर्भर है।

साथियों शारीरिक दृष्टि से दुर्बल एवं हीन होते हुए भी दृढ़ निश्चयी व्यक्ति ऐसे-ऐसे कार्य कर जाया करते हैं कि उनकी असाधारणता पर विस्मय-विभोर होकर रह जाना पड़ता है!! सामान्यतः साधारण प्रतीत होने वाले व्यक्ति भी अपनी संकल्प शक्ति के बल से भयावह तूफानों तक का मुँह मोड़ देने में सफल हो जाया करते हैं। मनोविज्ञान का मानना है कि वनस्पति जाग्रत रहती है पशु सोते है पत्थर में भी चेतना सोती है और मनुष्य विचार चिन्तन करता है इसलिए यह इन अन्य सजीवों तथा निर्जीवों से भिन्न हैं। चिन्तन एवं मनन करना इन्सान की विशेषता है जिनका सीधा सम्बन्ध मन से होता है।

साथियों संकल्प शक्ति का प्रयोग किए बिना व्यक्ति कोशिश किए बिना ही पहले ही हार स्वीकार कर लेते हैं । धीरे-धीरे उनमें यह भावना बैठ जाती है कि वे कभी भी जीत नहीं सकते हैं । वहीं दूसरी ओर सफल व्यक्ति हमेशा आशावादी व कर्मवीर होते हैं । वे जीत के लिए हमेशा प्रयास करते हैं ।जब तक हमारा मन शिथिल है तब तक हम कुछ भी नहीं कर सकते। मनुष्य का जीवन खेल के मैदान के समान है। यहाँ हर व्यक्ति खिलाड़ी है। खेल में विजय प्राप्त करने के लिए खिलाड़ी को चुस्त और तंदुरुस्त होने के साथ-साथ अपने-आप पर भरोसा भी होना चाहिए। जिसका मन मजबूत होता है, वही सच्चे अर्थों में तंदुरुस्त और अपने-आप पर भरोसा रखनेवाला होता है।

साथियों बात अगर हम मन के बारे में ऐतिहासिक कबीर श्लोकों की करें तो

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।
कहे कबीर हरि पाइए मन ही की परतीत।।

अर्थात- जीवन में जय और पराजय केवल मन के भाव हैं। यानी जब हम किसी कार्य के शुरू में ही हार मान लेते हैं कि हम सचमुच में ही हार जाते हैं। लेकिन अपनी मंजिल के लिए जब जूझते हैं, बार-बार गिर कर खड़े होते हैं तो हमारा आत्मविश्वास कई गुना बढ़ जाता है। इसके बाद जब मंजिल मिलती है, तो उसकी खुशी कई गुना होती है। इसलिए आपकी जीत या हार को कोई और तय नहीं कर सकता है। यह खुद आपके ऊपर निर्भर करता है। यही बात इस कहानी में भी बताई गई है। यह कहावत किसी व्यक्ति के जीवन की तरह किसी देश या राष्ट्र के बारे में भी सत्य सिद्ध होती है। किसी देश या राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उस देश के निवासियों की प्रबल इच्छाशक्ति में रहती है।

साथियों इसीलिए आत्मविश्वास की बात कही जाती है। अखबारों में हम अपनी क्रिकेट टीम की हार का कारण पढ़ते हैं, तो यही पढ़ते हैं कि खिलाड़ी अपना मनोबल बनाए नहीं रख सके। या तो वे अतिउत्साह में आ गए या फिर निराशा में। मन की इन दोनों स्थितियों का शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

भारत सदियों से संयम, त्याग और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रहा है। यहाँ आत्मसंयम को ही वास्तविक शक्ति माना गया है और चरित्र को ही मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति समझा गया है। यही कारण है कि इस देश ने समय-समय पर ऐसे महान आदर्श प्रस्तुत किए, जिन्होंने न केवल भारत बल्कि सम्पूर्ण विश्व को दिशा दी। भीष्म पितामह की आजीवन ब्रह्मचर्य प्रतिज्ञा हो, भगवान महावीर का संयम और तप का संदेश हो या स्वामी विवेकानन्द का तेजस्वी व्यक्तित्व इन सबने सिद्ध किया कि सच्ची शक्ति बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि भीतर के आत्मबल में निहित होती है। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी इन आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझे, क्योंकि देश की बागडोर अब युवाओं के हाथ में है।

राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति, नवयुवकों का जागरण और कर्तव्यबोध

कांतिलाल मांडोत

वर्तमान समय में युवाशक्ति अनेक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है। भोगवादी प्रवृत्तियाँ, दिखावा, कृत्रिम जीवनशैली और व्यसनों की प्रवृत्ति ने युवाओं के नैसर्गिक तेज को धूमिल कर दिया है। देर रात तक अनावश्यक मनोरंजन में डूबे रहना, असंतुलित दिनचर्या, अस्वस्थ खान-पान और फैशन की अंधी दौड़ ने उनके शरीर और मन दोनों को कमजोर किया है। जबकि एक युवा के व्यक्तित्व में ऊर्जा, उत्साह, दृढ़ निश्चय और कर्मठता का संचार होना चाहिए। राष्ट्र का भविष्य उन्हीं कंधों पर टिका होता है जिनमें सामर्थ्य, चरित्र और कर्तव्यनिष्ठा का बल हो। यदि युवा स्वयं ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से दुर्बल हो जाएँ, तो राष्ट्र की प्रगति कैसे संभव होगी?

कृत्रिमता के इस युग में मनुष्य बाहरी सजावट से अपनी वास्तविकता को ढकने का प्रयास करता है, परन्तु सच्चाई यह है कि कृत्रिम सौंदर्य कभी भी नैसर्गिक शक्ति और आत्मविश्वास का स्थान नहीं ले सकता। जिस प्रकार सूखी जड़ वाला वृक्ष ऊपर से हरा दिखाया जाए तो भी वह अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता, उसी प्रकार यदि युवा केवल बाहरी आडंबर में उलझे रहेंगे और आत्मिक विकास की ओर ध्यान नहीं देंगे, तो उनका व्यक्तित्व खोखला रह जाएगा। राष्ट्र निर्माण के लिए ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जिनकी जड़ें मजबूत हों, जिनके भीतर आत्मसंयम और आत्मविश्वास की गहरी नींव हो।

भारत की सांस्कृतिक परंपरा ने सदैव संयम, तप और साधना को महत्व दिया है। यहाँ जीवन को केवल भोग का साधन नहीं, बल्कि साधना का अवसर माना गया है। स्वामी विवेकानन्द जब विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने के लिए शिकागो गए, तब भी उन्होंने अपने संस्कारों और संयम को नहीं छोड़ा। उनके तेजस्वी व्यक्तित्व का रहस्य बाहरी आकर्षण नहीं, बल्कि भीतर की पवित्रता और आत्मबल था। यही आत्मबल युवाओं को अपनाना होगा। जब युवा अपने चरित्र को दृढ़ बनाते हैं, तब वे समाज में विश्वास और प्रेरणा के स्तंभ बनते हैं।

आज देश अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, उद्योग, राजनीति और सामाजिक जीवन में नई संभावनाएँ उभर रही हैं। इन संभावनाओं को साकार करने की जिम्मेदारी युवाओं पर ही है। देश की बागडोर उनके हाथ में है, इसलिए उन्हें केवल अपने व्यक्तिगत सुख-सुविधा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानना चाहिए। देश के प्रति समर्पण केवल नारों से सिद्ध नहीं होता, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी और परिश्रम से प्रकट होता है। जब युवा अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा से करते हैं, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है।

युवाओं का प्रथम कर्तव्य है कि वे स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाएं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, व्यायाम और योग से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही अध्ययन, चिंतन और सत्साहित्य के माध्यम से बुद्धि का विकास होता है। ज्ञान से ही विवेक उत्पन्न होता है और विवेक से ही सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। जब युवा विवेकशील बनेंगे, तब वे समाज को सही दिशा दे सकेंगे।

दूसरा महत्वपूर्ण कर्तव्य है नैतिक मूल्यों का पालन। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, करुणा और सहयोग की भावना ही समाज को जोड़ती है। यदि युवा भ्रष्टाचार, छल और स्वार्थ से दूर रहकर आदर्श जीवन जिएँगे, तो समाज में विश्वास की नींव मजबूत होगी। राष्ट्र का निर्माण केवल सड़कों और भवनों से नहीं, बल्कि सुदृढ़ चरित्र वाले नागरिकों से होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि उनका प्रत्येक कार्य देश के भविष्य को प्रभावित करता है। तीसरा कर्तव्य है सामाजिक जागरूकता और सक्रिय भागीदारी। युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा प्रसार, स्वच्छता अभियान, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक समरसता जैसे कार्यों में आगे आना चाहिए। वे नई सोच और नवाचार के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता के बल पर वे विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा को ऊँचा उठा सकते हैं। जब युवा अपने कौशल और प्रतिभा को राष्ट्रहित में समर्पित करते हैं, तब देश प्रगति की नई ऊँचाइयों को छूता है।

आज आवश्यकता है कि युवा कृत्रिम आकर्षणों से ऊपर उठकर वास्तविक जीवन मूल्यों को अपनाएँ। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं, बल्कि अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करना है। जब इन्द्रियाँ भोग से हटकर योग की ओर उन्मुख होती हैं, तब व्यक्ति में अद्भुत शक्ति का संचार होता है। यही शक्ति राष्ट्र निर्माण का आधार बनती है। युवाओं को चाहिए कि वे अपने भीतर आत्मगौरव और राष्ट्रगौरव की भावना को जागृत करें।

भारत का भविष्य उज्ज्वल तभी होगा जब उसकी युवा पीढ़ी जागरूक, अनुशासित और समर्पित होगी। आज का युवा यदि अपने वर्तमान को संवार ले, तो उसका कल स्वयं ही स्वर्णिम हो जाएगा। देश की प्रगति किसी एक नेता या संस्था पर निर्भर नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सामूहिक प्रयास पर आधारित है। जब प्रत्येक युवा यह संकल्प लेगा कि वह अपने जीवन को राष्ट्र के हित में उपयोग करेगा, तब भारत पुनः विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

अंततः यही कहा जा सकता है कि राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति के जागरण में निहित है। युवाओं को अपने कर्तव्यों का बोध होना चाहिए और उन्हें पूरे समर्पण के साथ निभाना चाहिए। संयम, परिश्रम, नैतिकता और देशभक्ति के आधार पर ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। आज समय की पुकार है कि युवा स्वयं को बदलें, समाज को बदलें और राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ। जब युवाशक्ति जागृत होगी, तब भारत का भविष्य सचमुच स्वर्णिम बनेगा।

अमेरिका-भारत में संविधान और लोकतंत्र के नये मानक?

सनत जैन

विश्व के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश अमेरिका और भारत आज केवल राजनीतिक एवं व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को नये तरीके से परिभाषित करने के केंद्र बन रहे हैं। इस कारण अमेरिका और भारत की संघीय लोकतांत्रिक एवं प्रशासकीय व्यवस्था को लेकर बड़े सवाल उठने लगे हैं। बदलते वैश्विक परिदृश्य में तकनीकी क्रांति, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक विविधताओं के बीच इन दोनों देशों ने संविधान और लोकतंत्र की नई व्याख्या करने की शुरुआत कर दी है, जो शासक आधारित है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता का विकेंद्रीकरण एवं जवाबदेही तय होती है। भारत में पिछले कई वर्षों से सत्ता का केंद्रीकरण होता जा रहा है। अमेरिका में भी दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से निर्णय ले रहे हैं, उससे भी शासन व्यवस्था में ट्रम्प का एकाधिकार अमेरिका में बढ़ता जा रहा है। अमेरिका के जो राज्य हैं, उनकी दूरी केंद्रीय सत्ता से बढ़ती चली जा रही है। नई व्याख्या परंपरागत मूल्यों को बनाए रखते हुए समयानुकूल बदलाव के लिए लोकतांत्रिक पद्धति एवं सत्ता का विकेंद्रीकरण पूर्व की तरह बना रहेगा, तभी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं मजबूत रहेंगी। भारत का संविधान विविधता में एकता का प्रतीक है। भारत में विभिन्न भाषा, धर्म, संस्कृति और परंपराओं की असंख्य धाराएँ संविधान एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समाहित हैं। वहीं अमेरिका का संविधान व्यक्तिगत स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आज़ादी, मानव अधिकारों की रक्षा एवं संघीय व्यवस्था प्रदान करता है। दोनों देशों ने अपने-अपने ऐतिहासिक अनुभवों से लोकतंत्र को मजबूत किया था। अमेरिका ने स्वतंत्रता संग्राम और नागरिक अधिकार आंदोलनों से, वहीं भारत ने स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक न्याय के लिए भारतीय संविधान तैयार किया था। भारतीय संविधान ने लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और न्यायिक तंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज विश्व में लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर कई चुनौतियों का सामना अमेरिका और भारत दोनों को ही करना पड़ रहा है। चाहे वह, सत्ता के केंद्रीयकरण का मामला हो या फेक न्यूज़ का प्रसार हो। वैधानिक संस्थाओं पर सत्ता का बढ़ता दबाव लोकतंत्र और न्याय तंत्र दोनों को ही प्रभावित कर रहा है। मानव अधिकारों को लेकर वह स्वतंत्रता अब नहीं मिलती, जैसे कुछ समय पहले देखने को मिलती थी। ऐसे समय में भारत और अमेरिका में सत्ता पक्ष द्वारा लोकतंत्र को नए सिरे से परिभाषित किया जा रहा है। यह परिभाषा केवल चुनावी प्रक्रिया और सत्ता तक सीमित नहीं है। अमेरिका और भारत में शासन व्यवस्था की पारदर्शिता, जवाबदेही, डिजिटल अधिकारों और नागरिक अधिकारों को लेकर तनाव के दौर से गुजर रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहा जा रहा है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका मे जो निर्णय ले रहे हैं, उनमें वे अमेरिकन कानूनो को नजर अंदाज कर रहे हैं। राज्य और केंद्र के बीच में भी मतभेद बढ़ते चले जा रहे हैं। यही स्थिति भारत में भी देखने को मिल रही है। डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन एक बड़ी चुनौती है। भारत और अमेरिका दोनों ने तकनीकी कंपनियों के नियमन, डेटा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में ट्रेड डील के माध्यम से नई पहल की है। इससे स्पष्ट है, वैश्विक व्यापार संधि के बाद जिस तरह के वैश्विक नियम और कानून बनाए गए थे उनसे हटकर अमेरिका अपने व्यापारिक समझौते करना चाहता है।

विशिष्ट को अपशिष्ट प्रमाणित करती एपस्टीन फ़ाइल्स

इनदिनों जेफरी एपस्टीन फ़ाइल्स के रहस्योद्घाटनों ने पूरी दुनिया में हलचल मचाकर रख दी है। पिछले दिनों अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा 30 लाख से भी अधिक पृष्ठों की नई फ़ाइल्स आने के बाद दुनिया के कई हाई-प्रोफ़ाइल लोगों के नाम उजागर हुये। अमेरिका का रहने वाला जेफ़री एपस्टीन व उसके माता-पिता यहूदी परिवार से थे। 20 जनवरी 1953 को ब्रुकलिन न्यूयॉर्क, में जन्मे एपस्टीन की मृत्यु 2019 में बड़े ही रहस्यमयी ढंग से जेल में हुई थी। हालांकि उसकी मौत को अधिकारिक रूप से आत्महत्या घोषित किया गया था।

तनवीर जाफ़री

परन्तु चूँकि उसकी मौत के दिन जेल के कैमरे ख़राब पाये गये और गार्ड्स भी उस समय सोए हुये थे। इसलिए एपस्टीन की हत्या का भी संदेह व्यक्त किया जाता है। हत्या की थ्योरी इसलिये भी रची जा रही है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि एपस्टीन के पास दुनिया की स्वयंभू विशिष्ट हस्तियों की दरिन्दिगी व काले कारनामों के ऐसे सुबूत थे जो उनके चेहरों को बेनक़ाब कर सकते थे। जेफ़री एपस्टीन के पास फ़्लोरिडा , न्यू मैक्सिको, पेरिस और कैरिबियन के यू.एस. वर्जिन आइलैंड्स में प्राइवेट द्वीप जैसी कई संपत्तियां थीं। उस पर नाबालिग़ लड़कियों का यौन शोषण और तस्करी करने,नाबालिग़ लड़कियों से सेक्स करने,अपने विशिष्ट अतिथियों को सेक्स हेतु नाबालिग़ लड़कियां परोसने यहाँ तक कि सेक्स के बाद उनकी हत्या करने जैसे संगीन आरोप थे।

अमीर यहूदी फ़ाइनेंसर एपस्टीन, सैकड़ों नाबालिग़ लड़कियों जिनमें अधिकांश 11 से 17 वर्ष आयु की होती थीं,को अपने घरों, प्राइवेट आइलैंड और प्राइवेट जेट पर लाकर उनका वहशी की तरह यौन शोषण किया करता था। वह लड़कियों को मसाज के बहाने बुलाता, पैसे देता, फिर उन्हें सेक्स के लिए मजबूर करता था। एपस्टीन को किशोरावस्था की शुरुआती उम्र वाली लड़कियों के साथ सैक्स करने में विशेष दिलचस्पी थी। उसने स्वयं यह स्वीकारोक्ति की थी कि उसे रोज़ाना कम से कम तीन बार सेक्स चाहिए और उसे युवा शरीर ही पसंद है। लड़कियों को ख़रीदना उसे गॉड जैसा एहसास दिलाता था। वह ग़रीब लड़कियों को पैसे, गिफ़्टस आदि देकर कंट्रोल किया करता था। उसकी पार्टनर घिस्लेन मैक्सवेल जोकि इस समय जेल में है वही एपस्टीन की हवस पूरी करने के लिये लड़कियों को भर्ती करती थी। ख़बरों के अनुसार घिस्लेन के पिता रॉबर्ट मैक्सवेल इस्राईली इंटेलिजेंस, मोसाद से जुड़े थे। और मोसाद के इशारे पर ही एपस्टीन दुनिया की प्रमुख हस्तियों को निशाना बनाकर हनीट्रैप रैकेट चलाता था। एपस्टीन की शिकार ज़्यादातर लड़कियां ग़रीब,मजबूर व कमज़ोर परिवारिक पृष्ठभूमि से होती थीं। इनमें कई पीड़िताएँ आज भी ज़िंदा हैं और कोर्ट में बयान दे चुकी हैं। एपस्टीन को 2008 में फ़्लोरिडा में दोषी क़रार दिया गया था। परन्तु कहा जाता है कि उसके धनबल की वजह से उसे उस समय कम सज़ा मिली। 2019 में सेक्स ट्रैफ़िकिंग के आरोप में उसे फिर गिरफ़्तार किया गया। अदालत में उसके विरुद्ध 100 से भी अधिक पीड़िताओं ने गवाही दी। इन्हीं दस्तावेज़ों व फ़ोटोज़ के आधार पर उसे इसी क्लासिक चाइल्ड सेक्स ट्रैफ़िकिंग के केस में फिर सज़ा सुनाई गयी। और 2019 में ही बड़े ही रहस्यमयी ढंग से जेल में उसकी मौत भी हो गयी।

अब दुनिया में कोहराम इस बात को लेकर मचा हुआ है कि आख़िर इतने बड़े अपराधी तथा मानवता के दुश्मन दुश्चरित्र व्यक्ति के साथ दुनिया के स्वयंभू विशिष्ट लोगों के संबंध की वजह क्या थी ? आख़िर क्यों दुनिया के जाने माने लोग एपस्टीन के अलग अलग द्वीप पर जाया करते थे ? इस समय पूरी दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने की कोशिश करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फ़्लाइट लॉग्स में 1990 के दशक में कई बार नाम आया। ब्लैक बुक में उनके नाम की प्रविष्टि पाई गयी। इसी तरह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन का भी कई फ़्लाइट्स में नाम आया और वे एपस्टीन की पार्टनर घिस्लेन मैक्सवेल के साथ कई फ़ोटो में भी नज़र आये। ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस,प्रिंस एंड्रयू का नाम तो सबसे सबसे ज़्यादा विवादास्पद रहा। यौन शोषण के आरोप में एक दो नहीं बल्कि सैकड़ों बार उनका नाम आया। इसी तरह इस्राईल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बाराक की एपस्टीन से नियमित मुलाक़ातें और संपर्क की चर्चा है। वहीँ स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जोस मारिया आजनार का नाम भी पैकेज और ट्रैवल रिकॉर्ड्स में कई बार आया है। ब्रिटेन के पूर्व मंत्री और राजदूत पीटर मंडेलसन, पूर्व न्यू मैक्सिको गवर्नर बिल रिचर्डसन, कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति एंड्रेस पास्त्राना अरंगो जैसे राजनेताओं के नाम भी एपस्टीन फ़ाइल्स में किसी न किसी रूप में शामिल हैं।

उद्योग व फ़िल्म जगत की विश्वप्रसिद्ध हस्तियां भी एपस्टीन फ़ाइल्स से अछूती नहीं रहीं। एलन स्पेस एक्स के संस्थापक, सीईओ और मुख्य डिज़ाइनर,टेक बिलेनियर एलन मस्क,माइक्रोसॉफ़्ट को-फ़ाउंडर बिल गेट्स, वर्जिन ग्रुप के फ़ाउंडर रिचर्ड ब्रैनसन,पूर्व अमेरिकी ट्रेज़री सेक्रेटरी लैरी समर्स, फ़िल्म डायरेक्टर वुडी एलन,सिंगर माइकल जैक्सन, रोलिंग स्टोन्स के फ्रंटमैन मिक जैगर, तथा अभिनेता के विन स्पेसी जैसे अनेक लोगों के नाम किसी न किसी रूप में एपस्टीन फ़ाइल्स के रहस्योद्घाटनों में शामिल हैं। भारत में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, व्यवसायी अनिल अंबानी,भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, लेखक दीपक चोपड़ा, फ़िल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप, निर्देशक व अभिनेत्री नंदिता दास जैसे लोगों के नाम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जेफ़री एपस्टीन फ़ाइल्स में पाए गए हैं। किसी के नाम फ़्लाइट्स लॉग्स में सामने आये तो किसी के लंबे समय तक एपस्टीन के संपर्क में रहने की बात सामने आयी। किसी के संदेशों और द्वीप भ्रमण करने का ज़िक्र आया तो किसे का एपस्टीन से पुराना सम्बन्ध निकला। एपस्टीन का किसी के साथ फ़्लाइट्स में नाम आया तो किसी का जेफ़री एपस्टीन के डिनर्स में शामिल होने पर नाम आया। कोई फ़ोटो में नज़र आया तो किसी को ई मेल भेजे व प्राप्त किये गये।

एपस्टीन फ़ाइल्स का व्यापक प्रभाव यह हुआ की इसमें नाम आने के बाद ब्रिटेन के शाही परिवार के पूर्व प्रिंस एंड्रयू की सभी सैन्य उपाधियां छीन ली गईं। उन्हें सार्वजनिक पदों व कर्तव्यों से हटाया गया। इतना ही नहीं बल्कि बाद में उन्हें शाही आवास विंडसर कैसल से बाहर भी निकाल दिया गया। अब वे खुद को प्रिंस नहीं कह सकते। इसी तरह अनेक लोगों को अपने पदों से या तो इस्तीफ़ा देना पड़ा या पद छोड़ना पड़ा। ज़ाहिर है स्वयं को विशिष्ट बताने वाले व दुनिया की आँखों में धूल झोंककर स्वयं को सफ़ेदपोश साबित करने वाले मोसाद के जाल में फंस चुके लोग जेफ़री एपस्टीन जैसे दुर्दांत कुकर्मी से अपने संबंधों को छुपाने की कोशिश में तो ज़रूर लगे हैं। परन्तु यह भी सच है कि जेफ़री एपस्टीन फ़ाइल्स ने अनेक तथाकथित स्वयंभू विशिष्ट लोगों को अपशिष्ट भी प्रमाणित कर दिया है।

आस्थाए संस्कृति और विकास का संगम बना अमृतधारा महोत्सव 2026, भव्य आयोजन में उमड़ा जनसैलाब

प्राकृतिक सौंदर्य, हसदेव नदी और पर्यटन विकास से बदलेगा एमसीबी जिले का भविष्य: स्वास्थ्य मंत्री

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के पावन पर्यटन स्थल अमृतधारा जलप्रपात में आयोजित अमृतधारा महोत्सव 2026 आस्था, संस्कृति और विकास का जीवंत प्रतीक बनकर सामने आया। महोत्सव का आयोजन अत्यंत भव्यता और उत्साह के साथ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, नागरिक और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल तथा विशिष्ट अतिथि भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, महापौर रामनरेश राय, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिमा यादव, नई लेदरी नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेन्द्र, जनपद अध्यक्ष जानकी बाई खुसरो, नगर पंचायत अध्यक्ष झगराखांड रीमा यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष जनकपुर कौशल पटेल, सरपंच लाई सोनकुंवर सहित अनेक जनप्रतिनिधि के साथ कलेक्टर डी. राहुल वेंकट,पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे, एसडीएम लिंगराज सिदार, वन मंडल अधिकारी, जनपद सीईओ वैशाली सिंह सहित समस्त जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विभागों के लगाए गए स्टॉलों के निरीक्षण से हुई, जहां स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आदिवासी विकास, जल संसाधन, महिला एवं बाल विकास, मछली पालन, पशुधन विकास, उद्यान, कृषि, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा योजनाओं की जानकारी देते हुए हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इसके पश्चात छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने अपने संबोधन में कहा कि अमृतधारा महोत्सव आस्था, संस्कृति और विकास का सशक्त प्रतीक है। जिला प्रशासन इस ऐतिहासिक स्थल के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और समुचित विकास के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य एवं यातायात की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि अमृतधारा को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना पर तीव्र गति से कार्य हो रहा है और जनभागीदारी से ही जिले का समग्र विकास संभव है।

इसके साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह ने 'भारत माता की जय' के गगनभेदी नारों के साथ अपने उद्बोधन की शुरुआत करते हुए क्षेत्रवासियों को अमृतधारा महोत्सव की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत, विकास की प्रतिबद्धता और जनसहभागिता की भावना का प्रतीक है। सरकार गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है और विकास की धारा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है। जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले ने भी 'भारत माता की जय' के नारों के साथ महाशिवरात्रि एवं अमृतधारा महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आयोजन हमारी संस्कृति, आस्था, एकता और विकास के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 से यह महोत्सव निरंतर आयोजित किया जा रहा है और अमृतधारा ग्राम पंचायत लाई के अंतर्गत स्थित यह पावन स्थल दूर-दराज से श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। सरकार द्वारा गांव-गांव तक सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

वहीं महापौर रामनरेश राय ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि महाशिवरात्रि एवं अमृतधारा महोत्सव हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने के साथ-साथ क्षेत्र के पर्यटन और विकास को नई दिशा देते हैं और सामाजिक एकता का संदेश देते हैं।

विधायक रेणुका सिंह ने शिव मंत्रोच्चार के साथ अपने उद्बोधन की शुरुआत करते हुए महाशिवरात्रि एवं अमृतधारा महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिव की पूजा अत्यंत सरल है और अमृतधारा केवल एक जलप्रपात नहीं, बल्कि हमारी आत्मा और आस्था है। उन्होंने क्षेत्र में आयोजित धार्मिक आयोजनों, महाशिवपुराण कथा, रामकथा तथा प्रमुख आस्था केंद्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों का पर्यटन के रूप में विकास क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि अमृतधारा महोत्सव हमारी विरासत, पर्यटन और विकास की पहचान है। वर्ष 2023 के बाद से इस पवित्र स्थल को उसकी पुरानी गरिमा लौटाने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्यीकरण, हसदेव नदी क्षेत्र के पर्यटन विकास, गोंडवाना फॉसिल्स पार्क, शिक्षा संस्थानों की स्थापना और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहयोग और सरकार की प्रतिबद्धता से अमृतधारा पुन: अपनी चमक बिखेरेगा और एमसीबी जिला पर्यटन के मानचित्र पर विशेष पहचान बनाएगा।

मिशन शक्ति योजना के तहत सखी वन स्टॉप सेंटर में महिलाओं की होगी भर्ती

आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 फरवरी तक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला में सखी वन स्टॉप सेंटर के संचालन हेतु सेवा प्रदाताओं के रिक्त पदों पर केवल महिला अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह नियुक्ति एक निश्चित मासिक सेवा शुल्क पर की जाएगी, जिसके लिए विभाग द्वारा विज्ञापन जारी कर दिया गया है।

जारी सूचना के अनुसार इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थी 17 फरवरी 2026 मंगलवार को सुबह 10 बजे से 21 फरवरी 2026 शनिवार को सायं 5:30 बजे तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। बहुउद्देशीय कर्मचारी एवं रसोईया पद हेतु आवेदन गूगल फॉर्म लिंक के माध्यम से तथा सुरक्षा गार्ड एवं नाइट गार्ड पद हेतु आवेदन लिंक के माध्यम से किया जा सकता है। रिक्त पदों से संबंधित विस्तृत जानकारी, पात्रता, शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य आवश्यक शर्तों का अवलोकन जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित कार्यालय के सूचना पटल पर किया जा सकता है।

20 को विशाल रोजगार मेला, निजी क्षेत्र में 50 पदों पर सीधी भर्ती का सुनहरा अवसर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, एमसीबी द्वारा निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 20 फरवरी 2026, दिन शुक्रवार को प्रात: 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), चिरमिरी में रोजगार मेला/प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह प्लेसमेंट कैम्प पूर्णत: नि:शुल्क रहेगा। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी मेसर्स श्री क्वालिटी सर्विसेज, सिद्धेश्वर क्लासिक, प्लॉट नंबर-02, हनुमान मंदिर रोड, पुणे (महाराष्ट्र) द्वारा गुणवत्ता निरीक्षक (Quality Inspector) के 50 रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पदों के लिए आईटीआई, डिप्लोमा, बीएससी, बीई या बी.टेक योग्यता रखने वाले पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी पात्र होंगे। चयनित उम्मीदवारों को 15,000 से 20,000 रुपये प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा तथा कार्यस्थल पुणे महाराष्ट्र रहेगा। रोजगार मेला में शामिल होने के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों का ई-रोजगार पोर्टल https://eroj-gar-cg-gov-in पर या गूगल प्ले स्टोर से CG Rojgar Panjiyan App के माध्यम से पंजीयन कराना अनिवार्य है। केवल पोर्टल में पंजीकृत अभ्यर्थियों को ही प्लेसमेंट कैम्प में शामिल किया जाएगा।

अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई, 1 हाइवा 1500 घन मीटर रेत सीज ट्रैक्टर जब्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। अवैध खनिज परिवहन और भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान एक हाइवा और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई, साथ ही लगभग 1500 घन मीटर रेत भी सीज की गई। यह कार्रवाई तीन अलग-अलग मामलों में की गई है। खनिज निरीक्षक सोनू के नेतृत्व में गठित टीम ने निवाड़ी क्षेत्र से एम-सैंड भरकर आ रहे एक हाइवा वाहन की जांच की। जांच के दौरान पाया गया कि वाहन में प्रपत्र में दर्ज मात्रा से अधिक खनिज भरा हुआ था। अनियमितता सामने आने पर हाइवा को तत्काल जब्त कर थाना अमोला की सुरक्षा में खड़ा कराया गया। इसी कार्रवाई के दौरान टीम ने अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी पकड़ा। इस वाहन को थनरा चौकी की अभिरक्षा में रखा गया है। कार्रवाई का तीसरा मामला ग्राम केरूआ स्थित नरवर-भितरवार मार्ग से संबंधित है। यहां शासकीय भूमि पर लगभग 1500 घन मीटर रेत का अवैध भंडारण पाया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरी रेत जब्त कर ली। आसपास के लोगों से पूछताछ के बावजूद भंडारणकर्ता की पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी, जिसके चलते अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। खनिज विभाग ने तीनों मामलों में प्रकरण तैयार कर अर्थदंड अधिरोपित करने की कार्रवाई के लिए कलेक्टर न्यायालय को भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जिले में 127 करोड़ के विकास कार्य होंगे, सीएम साय ने किया भूमिपूजन; कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मनेंद्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी को 127 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने चिरमिरी को अग्निशमन वाहन सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। सीएम ने कहा कि राज्य के विकास को लेकर सरकार पूरी गंभीरता से काम कर रही है और 2023 विधानसभा चुनाव में किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में लगातार कार्य हो रहा है। एमसीबी जिले में 127 करोड़ रुपये के कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। इसके साथ ही 59 नए कामों को भी स्वीकृति दी गई है, जिनकी कुल लागत 89 करोड़ रुपये बताई गई है।

18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत: मुख्यमंत्री ने राजिम में हुए त्रिवेणी संगम का भी जिक्र किया, जहां देशभर से साधु-संत और विदेशों से श्रद्धालु पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में 600 नागा साधु शामिल हुए थे और सामूहिक विवाह भी संपन्न हुआ था। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार पर प्रधानमंत्री आवास योजना छीनने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी सरकार ने 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए हैं। उन्होंने राज्य में 24 घंटे बिजली देने और पूरे प्रदेश में डिजिटल सिस्टम लागू करने की बात कही, ताकि भ्रष्टाचार रोका जा सके।

होली से पहले किसानों को मिलेगी धान खरीदी के अंतर की राशि: मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के राजस्व में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने छत्तीसगढ़ को 'धान का कटोरा' बताते हुए कहा कि सरकार किसानों को धान की कीमत 3200 रुपये प्रति क्विंटल देगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि होली पर्व से पहले किसानों को धान खरीदी के अंतर की राशि के रूप में 10 हजार करोड़ रुपये दिए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नगर निगम चिरमिरी को अग्निशमन वाहन देने की घोषणा की। उन्होंने पशुपालन क्षेत्र को मजबूत करने, देवाडांड़ में पुलिस चौकी स्थापित करने, मनेन्द्रगढ़ के चैनपुर में ऑडिटोरियम निर्माण, नागपुर में उप तहसील कार्यालय खोलने और चिरमिरी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की बात कही।

बड़ाबाजार देशी मदिरा दुकान हेतु कोटाडोल में किराये के भवन के लिए लघु निविदा आमंत्रित, 27 तक करें आवेदन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। संचालित देशी मदिरा दुकान बड़ाबाजार के लिए कोटाडोल क्षेत्र में किराये पर उपयुक्त भवन उपलब्ध कराने हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा जिला स्तर पर लघु निविदा सूचना जारी की गई है। कलेक्टर महोदय की स्वीकृति के पश्चात जारी इस निविदा के अंतर्गत इच्छुक भवन स्वामी एवं निविदाकारों से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधकए छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेडए एमसीबी द्वारा जारी सूचना के अनुसार इच्छुक निविदाकारों को अपनी निविदा बंद लिफाफे में तकनीकी बिड एवं प्राइस बिड पृथक.पृथक प्रस्तुत करनी होगी। निविदाएं 27 फरवरी 2026 को दोपहर 1 00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारीए मनेन्द्रगढ़.चिरमिरी.भरतपुर में जमा की जा सकेंगी। निर्धारित समय के पश्चात प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा । प्राप्त निविदाओं को उसी दिन 27 फरवरी 2026 को सायं 3रू00 बजे समिति द्वारा उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोला जाएगा। निविदा प्रक्रिया पूर्णत: पारदर्शी ढंग से संपन्न की जाएगी। निविदा की विस्तृत शर्तेंए नियम एवं प्रपत्र कार्यालयीन समय में अवकाश दिवसों को छोड़कर 27 फरवरी 2026 को दोपहर 12रू00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधकए छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेडए जिला मनेन्द्रगढ़.चिरमिरी.भरतपुर के नाम से जमा करना अनिवार्य होगा।

थाने में युवक ने खुद को ब्लेड से किया घायल, पूछताछ के दौरान उठाया आत्मघाती कदम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर के फिजिकल थाना परिसर में सोमवार दोपहर एक युवक ने ब्लेड से अपने गले और पेट पर वार कर खुद को घायल कर लिया। गंभीर हालत में पुलिस ने उसे तत्काल शिवपुरी जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, कमलागंज घोसीपुरा निवासी 35 वर्षीय शफीक खान का पड़ोस में रहने वाले रवि राज प्रजापति से बिजली की लाइन डालने को लेकर विवाद चल रहा था। दो दिन पहले दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था, जिसकी शिकायत रवि राज प्रजापति ने थाने में दर्ज कराई थी। पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया था पुलिस ने शफीक को इस मामले में पूछताछ के लिए थाने बुलाया था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुआ। सोमवार को पुलिस ने उसकी पत्नी छोटी खान को थाने बुलाया। पत्नी द्वारा फोन पर सूचना दिए जाने के बाद शफीक स्वयं थाने पहुंचा। इसी बीच यह भी सामने आया है कि शफीक खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वीडियो में वह हाथ में तलवार और कथित रूप से कट्टा लिए लोगों को धमकाते हुए दिख रहा था। स्थानीय निवासियों ने इस वीडियो को सबूत के तौर पर पुलिस को सौंपते हुए शिकायत दर्ज कराई थी।

वकील को गोली मारकर हत्या का मामला, परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग; 7 मांगों को लेकर बार एसोसिएशन का प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के करैरा में वकील की हत्या के बाद बार एसोसिएशन ने सोमवार को प्रदर्शन किया। उनके परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है। वकीलों ने परिवार को आर्थिक सहायता, 7 दिन के भीतर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने समेत 7 मांगें की हैं। इनमें करैरा कोर्ट में स्थायी सुरक्षा व्यवस्था और गार्ड की तैनाती, वकीलों के लिए सुरक्षित चैंबर की व्यवस्था, मेन रोड से कोर्ट तक सीसीटीवी कैमरे लगाने, कोर्ट टाइमिंग्स में ट्रैफिक, हेल्पलाइन वाहन उपलब्ध कराने और मामले में बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी शामिल हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर मांगे पूरी नहीं हुई तो 20 फरवरी तक कोर्ट बंद रखेंगे वकील गिरीश गोयल ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो 20 फरवरी तक करैरा कोर्ट में यह

प्रदर्शन जारी रहेगा और कामकाज बंद रहेगा। वहीं, एडवोकेट प्रशांत त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि पुलिस अधीक्षक ने शनिवार को एसएएफ गार्ड तैनात करने की बात कही गई थी, लेकिन सोमवार को न्यायालय परिसर में कोई गार्ड मौजूद नहीं था। वकील संजय को मारी थी गोली सीनियर एडवोकेट संजय सक्सेना की 14 फरवरी की सुबह करीब 11:30 बजे कोर्ट आते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बार एसोसिएशन ने इस जघन्य हत्याकांड की कड़ी निंदा की है। संघ ने मांग की है कि दिवंगत वकील के परिवार को फौरन सुरक्षा दी जाए और साथ ही आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाए।

दिवंगत वकील को श्रद्धांजलि देने शोकसभा शिवपुरी जिला मुख्यालय पर भी वकीलों ने एकजुट होकर कामकाज बंद रखा। न्यायालय परिसर में दिवंगत वकील को श्रद्धांजलि देने के लिए शोकसभा आयोजित की। इसके बाद, वकालों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें प्रदेशव्यापी हड़ताल का समर्थन किया गया। अधिवक्ताओं ने मांग की कि मृतक के परिजनों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दी जाए। साथ ही जिले के सभी न्यायालयों में पुलिस सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और प्रदेश में तत्काल एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। बार पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन प्रदेश स्तर पर आयोजित है और शिवपुरी जिले में भी सख्ती से लागू किया जा रहा है। यदि कोई अधिवक्ता हड़ताल के दौरान कार्य करता पाया गया तो उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को करैरा से लेकर शिवपुरी मुख्यालय तक अधिवक्ताओं के आक्रोश और एकजुटता ने प्रशासन पर दबाव बढ़ा दिया है। अब देखना होगा कि शासन-प्रशासन अधिवक्ताओं की मांगों पर क्या निर्णय लेता है।

वकीलों ने नहीं किया काम, पुलिस का पुतला जलाया; वकील बोले- डवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट सात दिन में लागू करें, नहीं तो सीएम हाउस घेरेंगे

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के करैरा में वकील की हत्या के विरोध में पूरे मध्यप्रदेश के वकील सोमवार को काम से विरत, यानी हड़ताल पर हैं। सोमवार दोपहर 12.30 बजे वकीलों ने कोर्ट परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। वकीलों ने करैरा पुलिस का पुतला दहन किया और मुख्यमंत्री मोहन यादव मुर्दाबाद के नारे लगाए। इतना ही नहीं आक्रोशित वकीलों ने शासन को अल्टीमेटम दिया है कि सात दिन के अंदर यदि 'एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट' लागू नहीं होता है तो सभी वकील भोपाल पहुंचकर सीएम हाउस का घेराव कर प्रदर्शन करेंगे। सोमवार को वकील कोर्ट तो आए, लेकिन काम नहीं किया। शिवपुरी में कोर्ट जाते समय दिनदहाड़े अधिवक्ता की हत्या से वकीलों में काफी आक्रोश है। हालांकि हत्या के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को शॉर्ट एनकाउंटर में गोली मारकर पकड़ लिया है, लेकिन इसके बाद भी आक्रोश कम नहीं हो रहा है।

वकीलों की हड़ताल से ग्वालियर में हाईकोर्ट के एक हजार और सेशन कोर्ट के लगभग दो हजार केस प्रभावित हुए हैं। ग्वालियर अंचल के शिवपुरी जिले के करैरा में दो दिन पहले सुबह कोर्ट के लिए निकले एडवोकेट संजय सक्सेना की बदमाशों ने दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड से पूरे मध्यप्रदेश में सनसनी फैल गई थी। कोर्ट जाते समय वकील की हत्या से मध्यप्रदेश के सभी कोर्ट के वकील आक्रोशित हैं। इस पर तत्काल स्टेट बार एसोसिएशन, बार एसोसिएशन और कोर्ट से जुड़े अन्य कर्मचारी संगठनों ने बैठक कर इस घटना का कड़ा विरोध जताने का निर्णय लिया। इसी क्रम में आज सोमवार को मध्यप्रदेश के सभी कोर्ट में वकील काम नहीं कर रहे हैं। सोमवार दोपहर हाईकोर्ट व जिला एवं सत्र न्यायालय के वकील एकजुट हुए और धरना प्रदर्शन किया। वकीलों ने शिवपुरी के करैरा थाना पुलिस का पुतला दहन किया है। साथ ही मुख्यमंत्री मोहन यादव मुर्दाबाद के नारेबाजी की गई। वकीलों के प्रदर्शन को लेकर पुलिस व प्रशासन अलर्ट नजर आया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन पाठक के नेतृत्व में वकीलों ने एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने सहित अन्य मांगों को लेकर एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम एसएडीएम अतुल सिंह को सौंपा है।

कार ने मारी टक्कर, स्कूटी सवार दंपती की मौत, महू-नीमच हाईवे पर मंदसौर में हादसा

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के पिपलियामंडी थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर करीब 4 बजे महू-नीमच हाईवे स्थित चौपाटी क्षेत्र (रोड के राजा के सामने) पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार दंपती को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतकों की पहचान दिनेश पिता भंवरलाल महाजन (57 वर्ष) निवासी पिपलिया जोधा और विमला बाई पति दिनेश महाजन (55 वर्ष) निवासी पिपलिया जोधा, थाना नाहरगढ़ के रूप में हुई है।

दोनों पिपलिया की ओर जा रहे थे : बताया जा रहा है कि दोनों स्कूटी से पिपलिया की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने लापरवाहीपूर्वक उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार आरोपी रघुनंदन पिता राजकुमार नागदा, निवासी विषलवास, थाना वागन, जिला नीमच, अपनी अर्टिगा कार (क्रमांक [illegible] 44 [illegible] 1773) से तेज गति में आ रहा था। लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उसने स्कूटी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सवार सड़क पर उछलकर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।

पति की मौके पर मौत, पत्नी ने अस्पताल में तोड़ा दम : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दिनेश महाजन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। वहीं गंभीर रूप से घायल विमला बाई को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस वाहन और टोल एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद आरोपी चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया था। बाद में पुलिस ने उसे राउंडअप कर लिया और पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच प्रारंभ कर दी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद पिपलियामंडी और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर है। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सीहोर में फरवरी के तीसरे सप्ताह में मौसम ने करवट ली

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। अब सुबह हल्की ठंड महसूस हो रही है, जबकि दिन में तेज धूप के कारण गर्मी का एहसास होने लगा है। इससे संकेत मिलता है कि गर्मी ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। आज सीहोर जिले में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले चार दिनों से तापमान 14 से 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास स्थिर बना हुआ है। उत्तर दिशा से आ रही ठंडी हवाओं के कारण सुबह के समय हल्की सिहरन महसूस होती है, लेकिन दोपहर में तेज धूप से लोगों को ठंड से राहत मिल जाती है। फरवरी माह का तीसरा सप्ताह चल रहा है और मौसम पहले की तुलना में काफी बदल गया है। पहले सप्ताह में जहां घना कोहरा और कड़ाके की ठंड थी, वहीं दूसरे सप्ताह में रात के तापमान में गिरावट देखी गई। अब तीसरे सप्ताह में तेज धूप के कारण दोपहर में गर्मी का एहसास हो रहा है।

बाघ ने बछड़े का शिकार किया, जंगल ले जाते वीडियो:रायसेन की बालमपुर घाटी पर रेलिंग में अटका जानवर

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर एक बाघ का गाय के बछड़े का शिकार कर लिया। उसका रोड से जंगल की ओर ले जाने का वीडियो सामने आया है। घटना बालमपुर घाटी क्षेत्र की है, जहां एक बाघ बछड़े को सड़क से खींचकर जंगल की ओर ले जाता दिखा। राहगीरों द्वारा अपने मोबाइल में कैद किए गए इस वीडियो में बाघ बछड़े को अपने मुंह में दबाकर घसीटता हुआ नजर आ रहा है। बछड़ा सड़क किनारे लगी रेलिंग में फंस गया था, जिसे खींचने के लिए बाघ को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

भोपाल-विदिशा जोड़ने वाले मार्ग पर घटना : यह घटना भोपाल और विदिशा को जोड़ने वाले व्यस्त मार्ग पर हुई, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में राहगीरों और स्थानीय निवासियों के बीच चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बालमपुर घाटी क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी पहले भी देखी गई है। वन विभाग ने भी पूर्व में इस क्षेत्र में सतर्कता बरतने की अपील की थी। रातापानी टाइगर रिजर्व में वर्तमान में बाघों की संख्या 100 से 125 तक पहुंचने का अनुमान है। तेंदुओं की संख्या भी लगभग 250 होने की संभावना है। वन्य प्राणी विशेषज्ञों का मानना है कि पर्याप्त जल स्रोत, घना वन क्षेत्र और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था ने रातापानी को वन्यजीवों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना बना दिया है। दूसरे से रात के तापमान में गिरावट आई

नर्मदापुरम में रिटायर्ड प्यून पर दोस्तों ने किया जानलेवा हमला

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के माखननगर रोड पर शराब दुकान के पीछे एक बुजुर्ग पर दोस्तों ने जानलेवा हमला किया। बुजुर्ग के सिर पर ईंट से मारा, जिससे उसे सिर में गहरी चोट आई। उसका निजी अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने हमला करने वाले उसके दो दोस्तों के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया। शराब पिलाने की बात को लेकर झगड़ा हुआ। पुलिस के मुताबिक, घायल रतनलाल यादव (65) निवासी ग्वालटोली नर्मदापुरम है, जो जिला पंचायत से रिटायर्ड प्यून है। आरोपी ओमप्रकाश उर्फ डब्बू सोनी और भगवानदास सोनी ग्वालटोली क्षेत्र में रहते हैं। देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया घायल रतनलाल और आरोपी ओमप्रकाश उर्फ डब्बू सोनी, भगवानदास सोनी तीनों 14 फरवरी की रात को रामजी बाबा मेले में घूमने के बाद शराब पीने के लिए माखननगर रोड पर पहुंचे। शराब खरीदकर दुकान के पीछे ही पी। दोबारा शराब पिलाने के लिए आरोपियों ने घायल बुजुर्ग से कहा। जिससे उनके बीच झगड़ा हो गया। आरोपियों ने ईंट और पत्थर से उसके सिर पर मारने लगा। जिसके बाद आरोपी मौके से भाग निकले। बाद में घायल खुद अपने घर पहुंचा। पुलिस मौके पर पहुंची। घायल के बयान लेकर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

बिस्टान में 175 लीटर अवैध शराब जब्त, 90 हजार की शराब काठी-बागड़ में छिपाई

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के बिस्टान में घर के पिछले हिस्से की बागड़ और तुअर की काठी में छिपाकर रखी गई 19 पेटी 175 लीटर देशी-विदेशी शराब बरामद की गई है। जब्त शराब की कीमत 90 हजार रुपए बताई गई है। थाना प्रभारी गुलाबसिंह रावत ने बताया कि आरोपी पन्नालाल पिता चैनसिंह डावर निवासी खेडा फाल्या ढाबला मौके से फरार हो गया। उसने अवैध रूप से शराब बेचने के लिए बड़े पैमाने पर इसका संग्रहण किया था। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उस पर पहले से ही 5 अन्य प्रकरण दर्ज हैं।

पुलिस टीम ने सोमवार सुबह मुखबिर की सूचना पर आरोपी के मकान के आसपास तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान 19 पेटी शराब बरामद हुई, जिसमें 9 पेटी देशी प्लेन, 1 पेटी ऑफिसर चॉइस, 1 पेटी लंदन प्राइड वोदका, 1 पेटी लंदन प्राइड व्हिस्की, 3 पेटी गोवा व्हिस्की, 3 पेटी पावर स्ट्रॉन्ग बीयर और 1 पेटी रॉयल सिलेक्ट शामिल थी। कुल 175.32 लीटर अवैध देशी-विदेशी शराब जब्त की गई।

दबिश के दौरान पुलिस टीम को पशुबाड़े और गोबर के ढेरों के बीच से गुजरना पड़ा। उन्हें काठी और बड़े पैमाने पर झाड़ियों को भी हटाना पड़ा। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस क्षेत्र में लगातार तलाशी कर रही है।

इटारसी में रेलवे ट्रैक पर मिली युवक की लाश:समासे की दुकान पर करता था काम

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी के मालवीय गंज क्षेत्र में रविवार रात 30 वर्षीय आशीष मलैया का शव रेलवे ट्रैक पर मिला। आशीष अपने घर से काम पर जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों के अनुसार, आशीष वार्ड क्रमांक 16 का निवासी था। वह दो भाइयों में छोटा था और दोनों अविवाहित थे। आशीष भारत टॉकीज के पास एक समोसे की दुकान पर काम करता था। रविवार को भी वह हमेशा की तरह काम पर जाने के लिए घर से निकला था। शव मिलने की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। एएसआई सुरेंद्र मालवीय ने मृतक की पहचान आशीष पिता सुरेश मलैया के रूप में की। युवक की मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। शव को पोस्टमार्टम के लिए इटारसी के सरकारी अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा। मामले की जांच जारी है।

नवचंडी मेले में हास्य कवि चेतन चर्चित गुदगुदाएंगे 19 को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। नगर निगम द्वारा आयोजित मां नवचंडी मेला 2026 का शुभारंभ 10 फरवरी से हो चुका है। आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े इस मेले में धार्मिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों की श्रृंखला रखी गई है। आयोजन की अनुमति के बाद व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी नवशक्ति एंटरटेनमेंट कंपनी को सौंपी गई है।

19 फरवरी को विराट कवि सम्मेलन : मेले का सबसे बड़ा आकर्षण 19 फरवरी, गुरुवार को होने वाला अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन रहेगा। इसमें देश के अलग-अलग हिस्सों से आए कवि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे।

देशभर के कवि होंगे शामिल : कवि सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय कवि मनवीर मधुर (दिल्ली), प्रसिद्ध संचालक शशिकांत यादव (देवास), हास्य कवि सुदीप भोला (दिल्ली), लोकप्रिय हास्य कवि शम्भू शिखर (मधुबनी), ओज कवि अशोक चरण (जयपुर), ख्यात हास्य कवि चेतन चर्चित (मुंबई) और संयोजक व गीतकार अमन अक्षर (मूंदी/इंदौर) अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

निमाड़ी गम्मत की प्रस्तुति : 22 और 24 फरवरी को निमाड़ी गम्मत के कार्यक्रम होंगे। इसमें क्षेत्रीय कलाकार लोक मनोरंजन की पारंपरिक शैलियों को मंच पर प्रस्तुत करेंगे।

फाग उत्सव का आयोजन : 2 मार्च को फाग उत्सव आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 9 मार्च के पश्चात स्थानीय निमाड़ी कवि सम्मेलन प्रस्तावित है, जिससे क्षेत्र के साहित्यकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मेले में जलपरी, रेसिंग कार और स्काय राउंड जैसे बड़े झूले लगाए गए हैं। बच्चों के लिए अलग से प्ले जोन तैयार किया गया है।

खरीदारी की भी सुविधा : करीब 200 से अधिक दुकानों में खानपान, खिलौने, घरेलू सामान और अन्य वस्तुएं उपलब्ध रहेंगी। इससे मेला परिवारों के लिए घूमने-फिरने और खरीदारी का बड़ा केंद्र बनेगा। आयोजकों का कहना है कि मेले को इस तरह तैयार किया गया है कि हर आयु वर्ग के लोगों को यहां मनोरंजन मिल सके।

सनावद में ओंकारेश्वर बायपास पर गांजा तस्कर पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के सनावद में पुलिस ने सोमवार को गांजा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 4 किलो 190 ग्राम गांजा जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख 5 हजार रुपए है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान खंडवा जिले के मांधाता थाना क्षेत्र के भोगावां बैडी निवासी कैलाश पिता गेंदालाल मेहरा के रूप में हुई है।

उसके खिलाफ सनावद थाने में मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी धर्मेंद्र यादव ने बताया कि पुलिस को ओंकारेश्वर बायपास पर एक व्यक्ति द्वारा गांजा ले जाने की सूचना मिली थी।

सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा।

अशोकनगर में पांच कट्टे और तीन जिंदा कारतूस बरामद्-तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, अशोकनगर (निप्र)। अशोकनगर जिले की चंदेरी पुलिस ने हथियार तस्करी के एक मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से पांच देशी कट्टे और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में सत्येंद्र बुंदेला और बफाती खान हथियार तस्कर हैं, जबकि गब्बर परमार ने उनसे एक कट्टा खरीदा था। पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के निर्देश पर थाना प्रभारी प्रशांत यादव ने एक टीम गठित कर यह कार्रवाई की। चंदेरी थाना प्रभारी प्रशांत यादव ने बताया कि रविवार को चंदेरी थाना क्षेत्र में अवैध हथियारों की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस टीम ने कलारी दुकान के पीछे दबिश दी। पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 315 बोर के दो देशी कट्टे और एक जिंदा कारतूस जब्त किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सत्येंद्र सिंह बुंदेला (22 वर्ष, निवासी लिधौरा, हाल बायपास चंदेरी) बताया। एक देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद सत्येंद्र बुंदेला से मिली जानकारी के आधार पर सह-आरोपी बफाती खान (38 वर्ष, निवासी ग्राम बारी) को भी गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 315 बोर का एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इसके अतिरिक्त, एक अन्य मुखबिर सूचना पर पुलिस टीम ने पिछोर रोड स्थित सिंहपुर महल मार्ग पर दबिश दी। यहां से आरोपी गब्बर परमार (35 वर्ष, निवासी ग्राम हरथौन, थाना मायापुर, जिला शिवपुरी) को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 315 बोर के दो देशी कट्टे और एक जिंदा कारतूस बरामद हुए। बरामद किए गए कुल पांच देशी कट्टों की अनुमानित कीमत लगभग 52 हजार रुपए आंकी गई है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों के खिलाफ चंदेरी थाने में आर्म्स एक्ट की धारा 25/27 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय चंदेरी में पेश किया जा रहा है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रशांत कुमार यादव, सब इंस्पेक्टर कदम सिंह मीना, जोगेन्द्र सिंह यादव, प्रधान आरक्षक धर्मेन्द्र कुमार, हरीश भार्गव, आरक्षक तेजसिंह, योगेन्द्र रघुवंशी, आशीष शर्मा, ज्ञान सिंह, विष्णु प्रजापति और आरक्षक सतीश वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रतलाम के स्कूल में तोड़फोड़, बाउंड्रीवाल कूदकर घुसे बदमाश क्लास रूम की खिड़कियों के कांच फोड़े

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के विनोबा नगर स्थित सांदीपनी स्कूल में रविवार रात अज्ञात लोगों ने तोड़फोड़ कर दी। बदमाशों ने स्कूल की बाउंड्रीवाल कूदकर क्लास रूम की खिड़कियों के कांच तोड़ दिए। सोमवार सुबह जब स्कूल का स्टाफ पहुंचा तो कांच के टुकड़े और खिड़कियां टूटी मिलीं। प्रिंसिपल को जानकारी देने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। विनोबा नगर स्थित सांदीपनी हायर सेकंडरी स्कूल का मिडिल सेक्शन जवाहर नगर मुक्तिधाम वाली रोड पर स्थित है। स्कूल के चारों तरफ रोड है और बाउंड्रीवाल बनी हुई है। अज्ञात बदमाश इसी बाउंड्रीवाल को फांदकर स्कूल परिसर में कूदे और इस घटना को अंजाम दिया।

मौके पर पहुंची पुलिस : स्कूल से सूचना मिलने के बाद औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी सत्येंद्र रघुवंशी और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। स्कूल के हेड मास्टर अनिल वर्मा ने बताया, 'सुबह जब स्कूल आए तो तोड़फोड़ दिखी। प्रिंसिपल संध्या वोरा को सूचना देकर पुलिस को जानकारी दी।'

फुटेज चेक किए जा रहे : थाना प्रभारी सत्येंद्र घनघोरिया ने बताया, 'किसी शरारती तत्व द्वारा तोड़फोड़ की गई है। आसपास क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज चेक किए जा रहे हैं।'

सागर में मौसम साफ, धूप बढ़ने से ठंड गायब; रात का तापमान 18 डिग्री, दोपहर में चुभने लगी धूप

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर का मौसम साफ होने से सूरज की तपिश बढ़ गई है। दिन और रात के तापमान में लगातार उछाल बना हुआ है। जिससे वातावरण से ठंड गायब हो गई है। दोपहर के समय लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा है। वहीं रात में हल्की ठंड महसूस हो रही है। सोमवार को सुबह से सागर का मौसम साफ रहा। तेज धूप खिली। धूप में तल्ख रही। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, सूरज की तल्खी बढ़ती गई। इस दौरान सागर का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम पारा 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दो दिनों तक पारे में उछाल देखने को मिलेगा। जिसके बाद पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम बदलेगा। आसमान में बादल छाएंगे और कुछ स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। सागर जिले में 18 और 19 फरवरी को बादल और बारिश का अनुमान जताया गया है।

रात का पारा सामान्य से 4 डिग्री ऊपर : अचानक बदले मौसम से दिन और रात के तापमान में लगातार उछाल देखने को मिल रहा है। इस समय सागर का अधिकतम तापमान 30.9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है जो सामान्य से 3 डिग्री ऊपर पहुंच गया है। वहीं रात का तापमान 18 डिग्री पर है जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक है। वर्तमान में सागर में रात के समय हल्की सर्दी का दौर बना हुआ है।

नेशनल हाईवे पर बाइक में टक्कर, जीजा-साले की मौत

मीडिया ऑडीटर, दतिया (निप्र)। दतिया में गोराघाट थाना अंतर्गत रविवार देर रात सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा नेशनल हाईवे 44 पर सिंध नदी पुल से पहले हुआ। अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार तीन युवकों को रौंद दिया। घटना में बाइक सवार अमित बंशकर पुत्र किशनलाल निवासी डबरा और वीरचंद्र वंशकार (21) पिता मथुरा वंशकार निवासी भदौरिया खिड़की, दतिया की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीसरा युवक अभिषेक बॉथम (19), निवासी डबरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

भारत-पाकिस्तान मैच से पहले रोहित शर्मा और वसीम अकरम गले मिले

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम और पाकिस्तान के बीच रविवार को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में एक रोमांचक मुकाबला खेला गया। भारतीय टीम ने 61 रन से इस मैच को जीत टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 8-1 कर लिया। मैच से पहले कुछ ऐसा हुआ जिसने भारत और पाकिस्तान के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को टी20 विश्व कप 2026 के लिए आईसीसी ने ब्रैंड एंबेसडर घोषित किया है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम आईसीसी की कमेंट्री टीम में शामिल हैं। भारत-पाकिस्तान मैच से पहले आईसीसी ने रोहित और अकरम को टी20 ट्रॉफी ले जाने की जिम्मेदारी दी थी। इस दौरान रोहित और वसीम अकरम एक-दूसरे को गले लगाते और हाथ मिलाते नजर आए। भारत और पाकिस्तान क्रिकेट के इन दोनों दिग्गजों को एक दूसरे से गले मिलते और हाथ मिलाते देखना दोनों देशों के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के लिए सुकून भरा पल था।

रोहित शर्मा को मैच से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ियों से मिलते और उनका आत्मविश्वास बढ़ाते हुए देखा गया था। वहीं मैच के दौरान वह आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह के साथ बैठे हुए नजर आए।

रोहित शर्मा भारतीय टीम के सफलतम कप्तानों में से एक रहे हैं। आईसीसी टूर्नामेंट में रोहित का रिकॉर्ड अविश्वसनीय रहा है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता था। भारतीय टीम को टी20 विश्व कप 2024 का खिताब दिलाने के बाद रोहित ने इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। वहीं 2025 में इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट फॉर्मेट से भी उन्होंने संन्यास ले लिया था।

पूर्व कप्तान वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में रोहित ने कहा था कि वह देश के लिए वनडे विश्व कप 2027 खेलना और जीतना चाहते हैं।

गॉड ऑफ क्रिकेट सचिन तेंदुलकर ने बताया मैच का टर्निंग प्वाइंट

नई दिल्ली, एजेंसी। गॉड ऑफ क्रिकेट सचिन तेंदुलकर ने रविवार को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 मुकाबले में पाकिस्तान को 61 रन से हराने के बाद भारत के ऑल-राउंड प्रदर्शन की तारीफ की। ईशान किशन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 40 गेंदों पर 10 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 77 रन बनाए जबकि सैम अयूब के 3/25 के शानदार स्पेल ने पाकिस्तान को मुकाबले में मजबूती से बनाए रखा। टॉप पर किशन की शानदार बल्लेबाजी ने भारत को बीच के ओवरों में खुद पर काबू रखने का मौका दिया। तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव ने मिलकर 53 गेंदों पर 57 रन जोड़कर भारत को 176 का लक्ष्य दिया।

तेंदुलकर ने X पर पोस्ट किया, 'पावर-प्ले में भारत ने मैच उनके हाथ से छीन लिया। पहली इनिंग में ईशान किशन और दूसरी इनिंग में हमने जो जबरदस्त बॉलिंग देखी, उससे सारा फर्क पड़ा। हम हमेशा ड्राइवर की सीट पर थे। आज रात भारत ने धमाल मचा दिया!'

पाकिस्तान ने लक्ष्य का पीछा करते हुए पहले ओवर से ही हार की कहानी लिखनी शुरू कर दी थी, जब हार्दिक पांड्या ने पहले ओवर में हार्ड लेंथ डिलीवरी पर शाहिबजादा फरहान का कीमती विकेट लिया। इसके बाद जसप्रीत बुमराह अपने पहले ओवर में दो विकेट लिए। पहली डिलीवरी में छक्का लगने के बाद बुमराह ने एक जबरदस्त इनस्विंगिंग यॉर्कर से वापसी करते हुए अयूब को आउट किया और फिर ओवर की आखिरी गेंद पर कप्तान सलमान आगा को आउट किया।

विकेटकीपर-बल्लेबाज उस्मान खान ने पाकिस्तान के लिए 44 रन बनाए, उन्होंने बाबर आजम के साथ 21 रन और फिर शादाब खान के साथ 39 रन की पार्टनरशिप की। भारत के सेंटर स्टेज पर आने से पाकिस्तान का मिडिल ऑर्डर पूरी तरह से लड़खड़ा गया। अक्षर पटेल ने टॉस-अप डिलीवरी पर आजम (5) और फिर खान को आउट किया।

नेपाल के खिलाफ कप्तान होप की तूफानी फिफ्टी

जीत की हैट्रिक के साथ सुपर-8 में वेस्टइंडीज

मुंबई, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने नेपाल के खिलाफ रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 25वें मुकाबले को 9 विकेट से अपने नाम किया। टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत के साथ ग्रुप-सी में मौजूद वेस्टइंडीज ने सुपर-8 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वहीं, लगातार तीन हार के साथ नेपाल की टीम खिताबी रेस से बाहर हो गई है। वेस्टइंडीज अपना अगला मैच 19 फरवरी को इटली के खिलाफ खेलेगी, जबकि नेपाल 17 फरवरी को स्कॉटलैंड के विरुद्ध मुकाबले के साथ अपने अभियान का समापन करेगी। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी नेपाल की टीम ने 8 विकेट खोकर 133 रन बनाए। इस टीम ने महज 2 के स्कोर पर कुशल भुर्तेल (1) का विकेट खो दिया था। इसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया और 73 के स्कोर तक 6 खिलाड़ी पवेलियन लौट गए। यहां से दीपेंद्र सिंह ने सोमपाल कामी के साथ सातवें विकेट के लिए 26 गेंदों में 54 रन की साझेदारी की। दीपेंद्र 47 गेंदों में 3 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 58 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद सोमपाल ने 15 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाकर टीम को शर्मनाक स्कोर से बचाया। विपक्षी खेमे से जेसन होल्डर ने 27 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि अकील हुसैन, मैथ्यू फोर्ड, शमर जोसेफ और रोस्टन चेज ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम ने 15.2 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। कप्तान शाई होप ने ब्रेंडन किंग के साथ 5.3 ओवरों में 43 रन की साझेदारी की। ब्रेंडन 17 गेंदों में 4 चौकों के साथ 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जहां से शिमरोन हेटमायर ने शाई होप के साथ दूसरे विकेट के लिए 59 गेंदों में 91 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को आसान जीत दिलाई।

श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए 'करो या मरो' वाली स्थिति, ऐसा है हेड-टू-हेड रिकॉर्ड

कैंडी, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप बी का एक बेहद अहम मैच श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच कैंडी के पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार की शाम 7 बजे से खेला जाना है। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह मैच बेहद अहम है। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड जैसे खिलाड़ियों के बिना विश्व कप में उतरी ऑस्ट्रेलिया का सफर बेहद निराशाजनक रहा है। कप्तान मिशेल मार्श की इंजरी ने ऑस्ट्रेलिया की परेशानी को और बढ़ाया है। ऑस्ट्रेलिया बी ग्रुप में श्रीलंका और जिम्बाब्वे के बाद तीसरे नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया को अब तक खेले 2 मैचों में आयरलैंड के खिलाफ जीत मिली है, जबकि जिम्बाब्वे के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था। जिम्बाब्वे के खिलाफ मिली हार ने ऑस्ट्रेलिया को टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ मैच में ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत बेहद अहम है। अगर ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल नहीं रहती है, तो उसके टूर्नामेंट से बाहर होने की पूरी संभावना है। श्रीलंका ने आयरलैंड और ओमान के खिलाफ खेले अपने मैच जीते हैं और ग्रुप में शीर्ष पर है। श्रीलंका अच्छा खेल रही है, और अगर वह ऑस्ट्रेलिया को हराने में कामयाब रही, तो सुपर-8 के लिए उसका रास्ता लगभग साफ हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के बाद अपना चौथा और आखिरी ग्रुप मैच ओमान से खेलना है, जबकि श्रीलंका को अपना आखिरी ग्रुप मैच जिम्बाब्वे से खेलना है।

श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक खेले गए टी20 मैचों की बात करें तो दोनों टीमें इस फॉर्मेट में 26 बार आमने-सामने आई हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 16 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि श्रीलंका ने 10 मैचों में जीत हासिल की है। आंकड़ों के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी है, लेकिन मौजूदा टूर्नामेंट में अहम खिलाड़ियों की इंजरी और टीम में शामिल खिलाड़ियों की खराब फॉर्म ने ऑस्ट्रेलिया की परेशानी बढ़ाई है।

श्रीलंका अपने घर में खेल रही है, और पिछले दोनों मैचों में टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर-8 में अपनी जगह पक्की करने के इरादे से उतरेगी, वहीं ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट में अपनी जगह सुरक्षित करने का लक्ष्य बनाकर उतरेगी।

टी20 विश्व कप : यूएसए ने नामीबिया को 31 रन से हराया, संजय कृष्णमूर्ति प्लेयर ऑफ द मैच रहे

चेन्नई, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप ए का मुकाबला रविवार को एम ए चिदंबरम स्टेडियम में यूएसए और नामीबिया के बीच खेला गया। यूएसए ने इस मैच को 31 रन से जीता। ग्रुप स्टेज में यूएसए की यह दूसरी जीत थी। यूएसए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। कप्तान मोनांक पटेल के 30 गेंदों पर 52, संजय कृष्णमूर्ति के 33 गेंदों पर 68, और मिलिंद कुमार के 20 गेंदों पर 28 रन की मदद से यूएसए ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 199 रन बनाए थे। नामीबिया के लिए कप्तान गेरहार्ड इरासमस और विलेम मायबर्ग ने 2-2 विकेट लिए थे।

200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी रही थी। सलामी बल्लेबाजों लौरेन स्टीनकैंप और जान फ्राइलिंक ने पहले विकेट के लिए 5.2 ओवर में 54 रन की साझेदारी की। फ्राइलिंक 15 गेंद पर 19 रन बनाकर पहले विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद स्टीनकैंप और जान निकोल लोफ्टी-ईटन के बीच दूसरे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी हुई। 99 के स्कोर पर जान निकोल 17 गेंद पर 28 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद स्टीनकैंप और कप्तान गेरहार्ड इरासमस का विकेट भी जल्दी-जल्दी गिर गया। स्टीनकैंप 39 गेंद पर 5 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 58 रन बनाकर आउट हुए।

'चक दे इंडिया', पाकिस्तान पर बड़ी जीत के लिए सीएम भगवंत मान ने भारतीय टीम को दी बधाई

चंडीगढ़, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 में रविवार को कोलंबो में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पाकिस्तान पर बड़ी जीत के साथ सुपर-8 के लिए क्वालिफाई करने पर भारतीय टीम को बधाई दी है। भगवंत मान ने एक्स पर लिखा, 'भारत ने टी-20 विश्व कप के मैच में पाकिस्तान को 61 रनों के बड़े अंतर से हराकर शानदार जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम लगातार तीन मैच जीतकर ग्रुप-ए की अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है और सुपर-8 राउंड के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बन गई है। पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी देश का गौरव हैं। चक दे इंडिया।' भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को खेले गए मैच पर दुनियाभर के करोड़ों क्रिकेट फैंस की नजर थी। फैंस एक रोमांचक मैच की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन भारतीय टीम के सामने पाकिस्तान की टीम खड़ी भी नहीं हो पाई। भारत ने एकतरफा मैच जीता और टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना रिकॉर्ड और मजबूत करते हुए 8-1 कर लिया।

मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के 40 गेंदों पर बनाए गए विस्फोटक 77 रन, सूर्यकुमार यादव के 32, शिवम दुबे के 27, और तिलक वर्मा के 25 रन की मदद से 7 विकेट पर 175 रन बनाए थे। पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 पर सिमट गई। हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2, जबकि कुलदीप यादव और तिलक वर्मा ने 1-1 विकेट लिए।

ईशान किशन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

टी20 : भारतीय महिला टीम ने जीता पहला मैच, ऑस्ट्रेलिया को डीएलएस नियम के तहत 21 रन से हराया

सिडनी, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज की शुरुआत जीत के साथ की है। रविवार को सिडनी में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में भारतीय टीम ने डीएलएस नियम के मुताबिक 21 रन से जीत हासिल की। टॉस भारत ने जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 27 के स्कोर पर दोनों सलामी बल्लेबाजों का विकेट खो दिया था। तीसरे विकेट के लिए फोएबे लिचफिल्ड और एलिसे पेरी के बीच 41 रन की साझेदारी हुई। 68 के स्कोर पर पेरी (20 रन) का विकेट गिरा। इसके बाद विकेटों के लगातार गिरने का सिलसिला जारी रहा। पूरी टीम 18 ओवर में 133 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने अपने आखिरी 5 विकेट मात्र 12 रन के अंदर गंवा दिए। जॉर्जिया वॉरेहम ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। भारत की तरफ से दाएं हाथ की तेज गेंदबाज अरुंधती रेड्डी ने 4 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट लिए। यह उनके टी20 करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसके अलावा, रेणुका ठाकुर ने 2, एन. चरणी ने 2, और क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 1-1 विकेट लिए।

134 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए सलामी बल्लेबाजों स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने तेज शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 4.1 ओवर में 33 रन जोड़े। शेफाली 11 गेंद पर 21 रन बनाकर आउट हुईं।

टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ 8वीं जीत

भारत ने बनाया अनूठा रिकॉर्ड

कोलंबो, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान को आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 27वें मुकाबले में 61 रन से मात दी। इसी के साथ टीम इंडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप में 8 मुकाबले जीत लिए हैं। यह किसी एक टीम के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक जीत का रिकॉर्ड है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अब तक कुल 9 मैच खेले हैं, जिनमें 8 जीते। इनमें से एक मैच भारत सुपर ओवर में जीता था। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ साल 2021 में इकलौता टी20 वर्ल्ड कप मैच जीता है। टी20 वर्ल्ड कप में किसी विरोधी टीम के खिलाफ सर्वाधिक जीत के मामले में ऑस्ट्रेलिया (बनाम बांग्लादेश), पाकिस्तान (बनाम बांग्लादेश), श्रीलंका (बनाम वेस्टइंडीज) और वेस्टइंडीज (बनाम इंग्लैंड) संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर हैं।

इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट खोकर 175 रन बनाए। टीम इंडिया की ओर से ईशान किशन ने 40 गेंदों में 3 छक्कों और 10 चौकों के साथ 77 रन की पारी खेली। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 25 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम 18 ओवरों में सिर्फ 114 रन पर सिमट गई। इस टीम के लिए उस्मान खान ने सर्वाधिक 44 रन बनाए। शाहीन अफरीदी ने नाबाद 23 रन का योगदान दिया।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में लगातार तीसरी जीत के साथ भारतीय टीम ने सुपर-8 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। टीम इंडिया ने अपना पहला मैच यूएसए के खिलाफ 29 रन से जीता था। इसके बाद नामीबिया को 93 रन से रौंदा। अब भारतीय टीम 18 फरवरी को नीदरलैंड के विरुद्ध अपना अंतिम ग्रुप मैच खेलेगी। इस हार के साथ पाकिस्तानी टीम ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर खिसक गई है। नीदरलैंड और यूएसए को शिकस्त देने के बाद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मुकाबला गंवाया। अब पाकिस्तान से ऊपर यूएसए की टीम है, जिसने 4 में से 2 मुकाबले अपने नाम किए हैं। पाकिस्तान को सुपर-8 में पहुंचने के लिए नामीबिया के खिलाफ मुकाबला जीतना होगा। यह मैच 18 फरवरी को खेला जाएगा।

टी20 : अरुंधती रेड्डी की घातक गेंदबाजी, भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 133 पर समेटा

सिडनी, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीमों के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। अरुंधती रेड्डी की घातक गेंदबाजी के दम पर भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 18 ओवर में 133 पर समेट दिया। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम को 22 के स्कोर पर पहला और 27 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। बेथ मूनी 5 और जॉर्जिया वॉल 18 रन बनाकर आउट हुई। तीसरे विकेट के लिए फोएबे लिचफिल्ड और एलिसे पेरी के बीच 41 रन की साझेदारी हुई। इस समय ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया बड़े स्कोर की तरफ जाएगी, लेकिन 68 के स्कोर पर पेरी (20 रन) का विकेट गिरने के बाद फिर विकेटों के लगातार गिरने का सिलसिला जारी रहा। पूरी टीम 18 ओवर में 133 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने अपने आखिरी 5 विकेट मात्र 12 रन के अंदर गंवा दिए। लिचफील्ड 26 और जॉर्जिया वॉरेहम 30 रन बनाकर श्रेष्ठ स्कोरर रहीं।

भारत की तरफ से दाएं हाथ की तेज गेंदबाज अरुंधती रेड्डी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 133 पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। रेड्डी ने 4 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट लिए।

इसके अलावा, रेणुका ठाकुर ने 4 ओवर में 14 रन देकर 2, एन. चरणी ने 3 ओवर में 14 रन देकर 2 विकेट लिए। क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा को 1-1 विकेट मिला। श्रेयांका पाटिल एकमात्र गेंदबाज रहीं जिन्हें विकेट नहीं मिला।

भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा अगर मजबूत शुरुआत दिलाने में सफल रहीं, तो टीम यह मैच आसानी से जीत सकती है और सीरीज में बढ़त बना सकती है।

नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के 6 माह से अधिक के सभी प्रकरण निराकृत करें : कमिश्नर

किसानों की फार्मर रजिस्ट्री के लिए विशेष अभियान चलाएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने राजस्व कार्यों की जिलेवार समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में नामांतरण के प्रकरणों का निराकरण तेजी से किया जा रहा है। नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के सभी प्रकरण तय समय सीमा में निराकृत करें। किसी भी स्थिति में प्रकरण 6 महीने से अधिक समय तक लंबित न रहे। जो प्रकरण समय सीमा से बाहर हो गए हैं उन्हें शीघ्र सुनवाई करके निराकृत करें। कलेक्टर लोक सेवा गारंटी योजना तथा आरसीएमएस पोर्टल में समय सीमा से बाह्य प्रकरण होने पर संबंधित राजस्व अधिकारियों पर जुर्माने की कार्रवाई करें। बंटवारा का कोई भी प्रकरण तीन माह से अधिक समय से लंबित न रहे। सभी एसडीएम राजस्व प्रकरणों के निराकरण की नियमित समीक्षा करें। बंटवारा तथा सीमांकन के बाद उनका अमल दरामद अनिवार्य रूप से कराएं। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। कलेक्टर अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण की तहसीलवार समीक्षा करें। किसी भी स्थिति में आरसीएमएस पोर्टल में प्रकरण दो वर्ष से अधिक समय से लंबित न रहे। कमिश्नर ने कहा कि जिलों में केवल सिंगरौली की राजस्व वसूली संतोषजनक है। कलेक्टर बड़े बकायादारों से कठोरता से वसूली कराएं। धारणाधिकार योजना से जारी पट्टों में राशि जमा न करने वालों को पट्टा निरस्त करने का नोटिस दें। कलेक्टर सीधी, मैहर और मऊगंज राजस्व वसूली पर विशेष ध्यान दें। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए लगातार शिविर लगाएं। इनमें ग्राम रोजगार सहायक, पटवारी तथा आरएईओ को शामिल करें। फार्मर रजिस्ट्री के शेष किसानों और जमीनों को पोर्टल पर अपडेट करने के लिए विशेष प्रयास करें। हरहाल में 15 मार्च तक शेष बचे लक्ष्य का 70 प्रतिशत हासिल करें। स्वामित्व योजना में सत्यापन की कार्यवाही के बाद पात्र हितग्राहियों को भू स्वामित्व पत्र जारी करें। ई आफिस प्रणाली में रीवा संभाग प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। ई आफिस प्रणाली को सीधी, सतना, सिंगरौली, मैहर और मऊगंज जिले प्रभावी रूप से लागू करें हर फाइल और पत्र ई आफिस के माध्यम से ही स्वीकार करें।

बाल विवाह मुक्त भारत की दिशा में सशक्त पहल, शासकीय कन्या महाविद्यालय में जनसंवाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रविवार को बाल विवाह मुक्त भारत विषय पर जनसंवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ छात्राओं को जागरूक करना बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा तथा समाज में सकारात्मक संदेश फैलाना रहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजलि पारे रहीं जबकि अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. विभा ने की। मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कंकर की राह से रेड कार्पेट तक की अपनी जीवन यात्रा साझा करते हुए कहा कि शिक्षा और आत्मविश्वास के बल पर हर बालिका अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकती है। उन्होंने बाल विवाह को सामाजिक अभिशाप बताते हुए कहा कि यह बालिकाओं के शारीरिक मानसिक और शैक्षिक विकास में सबसे बड़ी बाधा है। अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. विभा ने कहा कि बाल विवाह न केवल बालिकाओं के जीवन को अंधकारमय बनाता है बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी अवरुद्ध करता है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार व समाज में बदलाव की मशाल जलाएं। कार्यक्रम में वरिष्ठ न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्रा ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006* की जानकारी देते हुए जया ठाकुर बनाम भारत सरकार प्रकरण का उल्लेख किया तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के माध्यम से बालिकाओं के अधिकारों को रेखांकित किया। वहीं विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने हेल्पलाइन 1098 व 181 सहित रोकथाम के उपायों पर प्रकाश डाला। अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी के प्रतिनिधि सुमित सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका लक्ष्य 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाना है। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने किया तथा संचालन डॉ. नीलम दुबे ने किया।

बिना ऑक्सीजन किट दौड़ रही 200 निजी एंबुलेंस

कई में नहीं लगा हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट, अधिकारी बोले- कमी मिलने पर कार्रवाई होगी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा के नाम पर 200 से अधिक निजी एंबुलेंस संचालित हो रही हैं, लेकिन बड़ी संख्या में वाहनों में अनिवार्य मेडिकल उपकरण तक मौजूद नहीं हैं। कई एंबुलेंस बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के सड़कों पर दौड़ रही हैं। निगरानी और जवाबदेही स्पष्ट न होने से मरीजों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि मानकों के उल्लंघन पर कार्रवाई की जाएगी। कई निजी एंबुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर, रेगुलेटर, फर्स्ट एड बॉक्स, स्ट्रेचर, कार्डियक मॉनिटर और डिफिब्रिलेटर जैसी जरूरी सुविधाएं नहीं हैं। कुछ जगह ऑक्सीजन किट सिर्फ दिखावे के लिए रखी मिली आपात स्थिति में ऐसे वाहन मरीज की जान बचाने के बजाय जोखिम बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक एंबुलेंस में लगे उपकरणों की हर छह महीने में जांच और ऑडिट होना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होता है कि मशीनें काम करने की हालत में हैं। जिले में यह व्यवस्था कितनी नियमित है, इसका स्पष्ट रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। सरकारी अस्पतालों के आसपास सक्रिय कुछ संचालकों पर आरोप है कि वे परिजनों से अधिक किराया लेते हैं। इतना ही नहीं, निजी अस्पतालों में भर्ती कराने के बदले कमीशन लेने की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। मजबूरी में परिवार भुगतान करने को विवश हो जाता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि इन एंबुलेंसों की नियमित जांच कौन करे। परिवहन, स्वास्थ्य और स्थानीय प्रशासन के बीच जिम्मेदारी बंटी हुई है, लेकिन जमीनी स्तर पर सख्ती नजर नहीं आती। व्यावसायिक वाहनों में एचएसआरपी अनिवार्य है, फिर भी कई एंबुलेंस बिना नंबर प्लेट या सामान्य प्लेट के साथ चल रही हैं। इससे वाहन की पहचान और ट्रैकिंग मुश्किल हो जाती है। सरकारी राष्ट्रीय एम्बुलेंस सेवा 108 में तय मानकों के तहत उपकरण और प्रशिक्षित स्टाफ रहता है। इसके मुकाबले कई निजी वाहन सामान्य वैन या यात्री गाड़ियों को संशोधित कर एंबुलेंस के रूप में चला रहे हैं। नियमों के अनुसार ऑक्सीजन सिलेंडर व रेगुलेटर, प्राथमिक उपचार किट, कार्डियक मॉनिटर, डिफिब्रिलेटर, स्ट्रेचर, आवश्यक दवाएं, संचार उपकरण और चेतावनी लाइट-अलार्म सिस्टम अनिवार्य हैं। इनके बिना एंबुलेंस अधूरी मानी जाती है। स्वास्थ्य विभाग के पास जिले में चल रहीं निजी एंबुलेंसों की अद्यतन सूची तक स्पष्ट नहीं है।

अर्टिका ने पल्सर सवार लड़की को मारी टक्कर, नाबालिग की संजय गांधी अस्पताल इलाज के दौरान मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बुधवार दोपहर पीटीएस चौराहा के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 15 वर्षीय अंजलि सोंधिया की मौत हो गई। दोपहर करीब 12:30 बजे वह पल्सर बाइक चला रही थी, तभी जेल के पीछे एक आर्टिका कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अंजलि उछलकर सड़क पर जा गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गई। अंजलि सोंधिया मूल रूप से मऊगंज की रहने वाली थी। हाल ही में उसका परिवार शहर आकर बाणसागर कॉलोनी में रहने लगा था। वह नाबालिग थी और परिवार की लाडली बेटी बताई जा रही है। हादसे के तुरंत बाद वहां से गुजर रहे एक अधिवक्ता ने मानवता दिखाते हुए घायल अंजलि को उठाया और बिना देर किए अस्पताल पहुंचाया यदि तुरंत मदद नहीं मिलती तो हालत और बिगड़ सकती थी अस्पताल पहुंचने पर अंजलि बुरी तरह लहूलुहान थी। उसके पास कोई पहचान पत्र नहीं था, इसलिए शुरुआत में उसकी पहचान नहीं हो सकी। उसे अज्ञात घायल मानकर भर्ती कर लिया गया। संयोग ऐसा रहा कि अस्पताल में ही उसका रिश्ते का भाई काउंटर पर पर्ची काटने का काम करता है, लेकिन वह भी उसे पहचान नहीं पाया उसने अंजलि की पर्ची अज्ञात के रूप में बना दी। यह बात बाद में सामने आई तो हर कोई हैरान रह गया। करीब दो से तीन घंटे बाद परिजनों को हादसे की खबर मिली। जब वे अस्पताल पहुंचे और पहचान स्पष्ट हुई, तब तक काफी समय निकल चुका था और अंजलि की हालत बेहद गंभीर बनी हुई थी गंभीर हालत में अंजलि को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया बताया गया है कि अंजलि की मां सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में कार्यरत हैं, जबकि उसके पिता उसी संजय गांधी अस्पताल में वार्ड बॉय हैं। जिस अस्पताल में माता-पिता लोगों की जान बचाने में जुटे रहते हैं, वहीं उनकी बेटी जिंदगी की जंग हार गई सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। आर्टिका कार, टक्कर की स्थिति और अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है इस घटना के बाद नाबालिग द्वारा वाहन चलाने को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसे के पीछे लापरवाही किसकी थी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर शिव सिंह का हमला, मोदी सरकार पर गंभीर आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में एसकेएम से जुड़े किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिव सिंह ने भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की संसद में बैठकर अमेरिका के पक्ष में कानून बनाना देशहित के खिलाफ है। शिव सिंह ने कहा कि यह प्रस्तावित समझौता किसानों के लिए डेथ वारंट साबित होगा और देश को आर्थिक गुलामी की ओर ले जाएगा। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए ईस्ट इंडिया कंपनी का उल्लेख किया और कहा कि इसी प्रकार के व्यापारिक समझौते ने भारत को पहले भी अधीन बना दिया था। उन्होंने आशंका जताई कि ऐसे फैसले खेती, बीज, दुग्ध उत्पादन और किसानों-मजदूरों की आजीविका पर सीधा असर डालेंगे।

विदेशी ताकतों के सामने घुटने टेकने वाले पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी : शिव सिंह

देश की संसद में बैठकर अमेरिका के पक्ष में कानून बनाने वाले देश विरोधी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत अमेरिकी मुफ़्त व्यापार समझौते को लेकर एसकेएम के नेता किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिव सिंह ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि देश की संसद में बैठकर अमेरिका के पक्ष में कानून बनाने वाले देश विरोधी है। यह समझौता न केवल किसानों के लिए डेथ वारंट है बल्कि देश की गुलामी की ओर बढ़ता एक कदम है। इतिहास गवाह है ऐसा ही व्यापार समझौता पहले ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत से किया था और बाद में पूरे देश को अपने अधीन कर लिया था। उनका आरोप है कि इस तरह के फैसले देश की खेती बीज दूध और किसानों मजदूरों की आजीविका पर सीधा खतरा पैदा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बिना किसानों की सहमति के किया गया कोई भी व्यापार समझौता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते कहा कि अगर इस समझौते के जरिए आयात को बढ़ावा दिया गया और कृषि को कमजोर किया गया तो इसके गंभीर और दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के इतिहास में अलग-अलग पार्टियों से तमाम प्रधानमंत्री रहे लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे किसी ने विदेशी ताकतों अथवा अमेरिका के सामने घुटने टेकने का काम नहीं किया। शिव सिंह ने नरेंद्र मोदी सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द किसान मजदूर देश विरोधी भारत अमेरिकी व्यापार समझौता रद्द नहीं किया जाता तो देश में फिर से बड़ा आंदोलन होगा और इस बार देश का किसान मजदूर आवाम देश की संसद के चारों ओर डेरा जमाने का काम करेगा।

श्रम योगी मानधन योजना से असंगठित श्रमिकों को मिलेगा सुरक्षित भविष्य

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार द्वारा लागू की गई प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है। इस संबंध में जिला श्रम पदाधिकारी ने बताया कि योजना के तहत पात्र श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर उसे तीन हजार रुपए प्रतिमाह की पेंशन दी जाती है। जिन श्रमिकों की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच और मासिक आय 15 हजार रुपए या उससे कम है वे इस योजना का लाभ ले सकते हैं। इस योजना में श्रमिक द्वारा जितनी राशि का अंशदान किया जाता है उतनी ही राशि का अंशदान केन्द्र सरकार द्वारा जमा किया जाता है। रिक्शा चालक, रेहड़ी-पटरी विक्रेता, घरेलू कामगार, निर्माण श्रमिक, कृषि श्रमिक, कूड़ा बीनने वाले, मोची, दर्जी, धोबी, नाई सहित अन्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिक इस योजना में पंजीयन कराकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पंजीयन की प्रक्रिया निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से की जा सकती है। पंजीयन के लिए आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण तथा मोबाइल नम्बर आवश्यक है। श्रम पदाधिकारी ने जिले के सभी असंगठित श्रमिकों से अपील की है कि वे इस जनकल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी वृद्धावस्था के दौरान आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। योजना से संबंधित अधिक जानकारी श्रम कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

समाज कार्य में युवाओं की भूमिका पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम हुआ आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। टीआरएस कॉलेजए रीवा के समाज कार्य विभाग द्वारा समाज कार्य में युवाओं की भूमिका विषय पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम समाज कार्य विभाग की पहल पर आयोजित किया गयाए जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों और शैक्षणिक समुदाय को समाज कार्य में युवाओं की अहम भूमिका से अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण के साथ हुआ। समाजकार्य विभाग की छात्रा निशा अग्निहोत्री ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थीए समाजकार्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉण् मधुलिका वास्तव और मुख्य वक्ता डॉण् कांत मिश्रा ने अपने विचार साझा किए। मुख्य वक्ता डॉण् कांत मिश्रा ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि समाज कार्य केवल पेशेवर कार्य नहींए बल्कि सेवा और समर्पण का मार्ग है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज कार्य में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हैए और युवा अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाकर समाज में स्थायी परिवर्तन ला सकते हैं। समाजशास्त्र विभाग के डॉण् अखिलेश शुक्ल ने युवाओं से आग्रह किया कि वे समाज में सुधार लाने के लिए अपने कर्तव्यों को समझें और सक्रिय रूप से भाग लें। डॉण् शाहेदा सिद्दीकी ने भी युवाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ष्कल का सूरज आज की युवाओं की मुट्ठी में है। कार्यक्रम का संचालन डॉण् गुंजन सिंह ने किया‌ए और आभार प्रदर्शन डॉण् प्रियंका तिवारी ने किया।

750 ग्राम के मासूम को मिला नया जीवन, एसएनसीयू टीम की कुशलता से लौटी परिवार में खुशियां

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला अस्पताल रीवा के एसएनसीयू (स्पेशल न्यूबोर्न केयर यूनिट) में सीधी जिले की अंजू केवट के उस नवजात को नया जीवन मिला है, जिसका जन्म के समय वजन मात्र 750 ग्राम था। यह बच्चा न केवल समय से काफी पहले (29 सप्ताह का) पैदा हुआ था, बल्कि जन्म के तुरंत बाद उसे सांस लेने में गंभीर समस्या थी। निजी अस्पताल से गंभीर हालत में रेफर होकर आए इस अति अल्प वजन वाले शिशु के बचने की उम्मीद बेहद कम थी, लेकिन डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने बताया कि भर्ती के समय बच्चे की हालत अत्यंत नाजुक थी। उसे तुरंत वेंटिलेटर पर रखकर सर्फैक्टेंट थैरेपी और कैफीन साइट्रेट जैसी जीवन रक्षक दवाएं दी गईं। उपचार के दौरान कई बार उतार-चढ़ाव आए। दूसरे ही दिन बच्चा शॉक में चला गया, जिससे उसकी नाड़ी कमजोर पड़ने लगी। लेकिन एसएनसीयू टीम के निरंतर मॉनिटरिंग और सटीक इलाज से धीरे-धीरे सुधार होने लगा। वेंटिलेटर से सीपीएपी और फिर ऑक्सीजन हुड तक का सफर तय करते हुए, बच्चे ने 53 दिनों तक मौत से जंग लड़ी। इस दौरान कंगारू मदर केयर फोटोथेरेपी और ब्लड ट्रांसफ्यूजन जैसी जटिल प्रक्रियाओं के जरिए बच्चे की स्थिति को स्थिर किया गया। 53 दिनों के अथक परिश्रम के बाद जब बच्चे का वजन बढ़कर 1.520 किलोग्राम हो गया और वह मां का दूध पीने में सक्षम हुआ, तब उसे सफलतापूर्वक डिस्चार्ज किया गया। अंजू केवट और उनके परिजनों के चेहरे पर अब मुस्कान है और वे रीवा जिला अस्पताल की सुविधाओं के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि यह सफलता दर्शाती है कि रीवा का एसएनसीयू अब केवल स्थानीय ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों के लिए भी संजीवनी साबित हो रहा है।

वारंट के बावजूद पति गिरफ्तार नहीं, पीड़िता ने एसपी से की शिकायत; कहा- ससुराल वालों ने मारपीट कर घर से निकाला

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। शाहपुर इलाके में दहेज प्रताड़ना की शिकार एक महिला ने पुलिस पर कार्रवाई न करने के आरोप लगाए हैं। चंदेह निवासी नजराना बानो ने सोमवार को एसपी दफ्तर पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। उनका कहना है कि कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद भी शाहपुर पुलिस उनके पति को पकड़ नहीं रही है। मारपीट कर घर से निकाला नजराना बानो ने बताया कि उनकी शादी जून 2020 में मोहम्मद रसीद से हुई थी। आरोप है कि शादी के अगले साल ही ससुराल वालों ने दहेज के लिए उनके साथ मारपीट की और उन्हें घर से निकाल दिया। इसके बाद उन्होंने महिला थाने में शिकायत की और अपने खर्च (भरण-पोषण) के लिए कोर्ट में केस कर दिया। महिला का कहना है कि कोर्ट में समझौते के बाद पति उन्हें अपने साथ घर ले गया था, लेकिन सिर्फ एक हफ्ते बाद ही फिर से घर से बाहर निकाल दिया। नजराना के मुताबिक, कोर्ट ने उनके पति के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर रखा है, लेकिन जब भी वे शाहपुर थाने जाती हैं, तो पुलिस उन्हें टाल देती है और कोई कार्रवाई नहीं करती नजराना बानो इस वक्त भारी आर्थिक तंगी से गुजर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनका पति रीवा में प्राइवेट एंबुलेंस चलाता है एडिशनल एसपी विक्रम सिंह ने थाना प्रभारी को जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं अब पीड़ित महिला को पुलिस की अगली कार्रवाई का इंतजार है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।